भारतीय सचना प्रौद्योगिकी संस्थान
श्री सिटी, चित्तूर

(संसद के अधनियम के अंतर्गत राष्ट्रीय महत्व का संस्थान)

वार्षिक प्रतिवेदन 2019-20

आईआईआईटी श्री सिटी चित्तूर
वार्षिक प्रतिवेदन 2019–20

कंटेंट

आइटम नंबर	वर्णन	पेज नंबर
1	निदेशक की रिपोर्ट	4
2	संस्थान के रूप में आईआईआईटी	
2.1	संस्थान के बारे में	7
2.2	लक्ष्य, दृष्टिकोण & उद्देश्य	8
	2.2.1 मिशन	8
	2.2.2 दृष्टिकोण	8
	2.2.3 उद्देश्य	9
2.3	पालन	
	2.3.1 बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (बी ओ जी)	10
	2.3.2 वित्त समिति	14
	2.3.3 भवन एवं निर्माण समिति	15
	2.3.4 सीनेट	16
2.4	कैंपस और स्थान	17
2.5	अवसंरचना	18
3	प्रवेश	24
3.1	यूजी प्रवेश नीति	24
3.2	पीएचडी प्रवेश नीति	25
4	अकादमिक कार्यक्रम	26
4.1	पूर्वस्नातक	26
4.2	पीएचडी	30
4.3	प्रदर्शन की मुख्य विशेषताएं	31
4.4	अकादमिक प्रदर्शन	31
5.	प्लेसमेंट और इंटर्नशिप (ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप और सेमेस्टर लंबी परियोजनाएं)	34
5.1	इंटर्नशिप	34
5.2	कैंपस प्लेसमेंट	34

आइटम नंबर	वर्णन	पेज नंबर
6	छात्रवृत्ति और पुरस्कार	35
7	छात्र विकास गतिविधियां (एसडीसी)	36
7.1	एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी)	36
7.2	खेल गतिविधियां	38
	7.2.1 राष्ट्रीय एकता मराठन	38
	7.2.2 एनएसएस	39
	7.2.3 प्रभाव	40
	7.2.4 पसंदीदा 25	41
8	लोग (मानव संसाधन)	42
8.1	फ़ैकल्टी	42
8.2	विजिटिंग फैकल्टी	43
8.3	कर्मचारियों	46
8.4	सलाहकार	45
9	संस्थान की समितियां	46
9.1	आंतरिक शिकायत समिति	46
9.2	एंटी रैगिंग कमेटी	46
9.3	अकादमिक अनुशासन समिति	48
9.4	हॉस्टल अनुशासन समिति	48
10	अनुसंधान और विकास	49
10.1	शोध प्रकाशन	50
10.2	सम्मेलन की कार्यवाही/प्रस्तुतियां	52
10.3	प्रायोजित परियोजनाएं	54
10.4	पेटेंट फाइलिंग	55
11	नवाचार और उद्यमिता विकास	55
12	अन्य गतिविधियां	56
12.1	दीक्षांत समारोह	56
12.2	कार्यशालाओं	58
12.3	समाज के प्रति जिम्मेदारी - यूबीआई, एनएसएस	61
13	वित्तीय का सारांश	68

1. निदेशक की रिपोर्ट

हमारी यात्रा आईआईटी हैदराबाद के साथ आईआईआईटी हैदराबाद की योग्य मेंटरशिप के साथ आरंभ हुई। हम सुनिर्मित सहयोग के माध्यम से हमारे सभी शैक्षिक और शोध कार्यक्रमों में उन संस्थानों की सर्वोत्तम पद्धतियों को अपनाना जारी रखे हुए हैं।

हमारे नए परिसर में उच्च गुणवत्तापरक अधिगम को सहायता प्रदान करने के लिए सर्वोत्तम अवसंरचना मौजूद है। भवन के प्रत्येक तल में अत्याधुनिक वातानुकूलित शिक्षण कक्ष, प्रयोगशालाएं और संकाय केबिन एवं छात्र गतिविधि केंद्र को शामिल करते हुए निर्दिष्ट स्थान है। वर्तमान में हमारे छात्रावासों के दो ब्लॉक और एक बड़ी भोजनशाला सुविधा हैं। एक भोजनशाला के साथ दो और छात्रावास ब्लॉकों का निर्माण प्रगतिरत है। इसके अतिरिक्त हमनें श्री सिटी शहर में पीएच.डी. और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अपार्टमेंट किराये पर लिए हैं। हमारे उद्योग भागीदार श्री सिटी प्रा. लि. श्री सिटी शहर में 27 देशों की प्रमुख 180 एमएनसी के साथ सबसे बड़े समेकित औद्योगिक टाउनशिप तक पहुंच रखते हैं। हमारे औद्योगिक भागीदार के समर्थन से आईआईआईटी श्री सिटी इन कंपनियों के साथ हमारी सहयोगी परियोजनाओं के संचालन हेतु नियमित संपर्क में हैं जिसमें हमारे छात्रों के नियमित रूप से इन कंपनियों में दौरे किए जाते हैं और वे इंटर्नशिप की संभावनाओं का लाभ भी उठाते हैं।

हमारा इस विचारधारा में दृढ़ विश्वास है कि अच्छे संकाय छात्रों के शिक्षण में दिशा–निर्देश प्रदान कर सकते हैं और उनके केरियर को मूर्तरूप दे सकते हैं। इस प्रकार हमने हमारे संकाय सदस्यों की सावधानीपूर्वक आयोजना एवं भर्ती की है जो कि विश्व में विख्यात संस्थानों के पूर्व छात्र रहे हैं। हमारे सभी संकाय सदस्यों ने आईआईटी/आईआईएससी अथवा विश्व भर के सर्वोच्च विश्वविद्यालयों से पीएच.डी. की है। उल्लेखनीय है कि यह सभी गहन शोध एवं औद्योगिक अनुभव के साथ युवा एवं उत्साही संकाय है। ये संकाय अपने शोध में काफी सक्रिय है और महत्वपूर्ण रूप से ये अपने ज्ञान एवं अनुभव को हमारे छात्रों के लिए शैक्षिक अधिगम में परिवर्तित करने योग्य है।

हमारे बी.टेक. कार्यक्रम में ईसीई और सीएसई दोनों छात्रों के लिए समर्पित विषय और पाठ्यक्रम हैं जिन्हें नियमित रूप से उद्योग जगत से प्राप्त निरंतर फीडबैक के आधार पर अद्यतन बनाया जाता है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2019 से हमारे पास एआई एवं मशीन लर्निंग, साइबर सिक्यूरिटी और साइबर फिजिकल सिस्टम में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. कार्यक्रम हैं। इन विशेषज्ञताओं के अंतर्गत कई पाठ्यक्रम कार्यशालाओं सहित औद्योगिक विशेषज्ञों द्वारा पढ़ाएं जाते हैं। युजी–शोध का संवर्धन करने के लिए हमारा एक योग्यता आधारित बी.टेक. ऑनर्स कार्यक्रम हैं जिसमें छात्रों 2 वर्ष की अवधि के लिए किसी संकाय अथवा संकायों के समूह के अंतर्गत किसी विशिष्ट क्षेत्र में कार्य कर सकते हैं। वे शोध प्रकाशन अथवा बौद्धिक संपदा अथवा कोई सॉफ्टवेयरॉ/हार्डवेयर

प्रस्तुत करते हुए अपनी ऑनर्स डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।

संस्थान का पहला दीक्षांत समारोह 23 अप्रैल, 2019 को आयोजित किया गया। श्री एम. वैंकेया नायडू, भारत के माननीय उप राष्ट्रपति द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में समारोह का गौरव बढ़ाया गया और उन्होंने दीक्षांत समारोह का संबोधन दिया। 2017 और 2018 बैचों में कुल 135 यूजी छात्र स्नातक हुए और पहले एमएस छात्र ने अपनी डिग्री प्राप्त की। दीक्षांत समारोह में प्रो. यू.बी. देसाई, आईआईटी हैदराबाद के निदेशक (आईआईआईटी श्री सिटी के पूर्व मेंटर निदेशक), प्रो. पी. जे. नारायणन, निदेशक, आईआईआईटी, हैदराबाद, प्रो. सत्यनाराण, निदेशक, आईआईटी, तिरुपति तथा आंध्र प्रदेश सरकार के अधिकारियों ने भाग लिया।

बोर्ड ने पहले 5 वर्षों में संस्थान की उपलब्धियों की सराहना की और प्रो. यू.बी. देसाई (आईआईटी हैदराबाद के निदेशक) मेंटर निदेशक के योगदान की उनकी नेतृत्व के लिए, उद्योग भागीदार–श्री निवासा राजू, अध्यक्ष, श्री सिटी फाउंडेशन की अत्याधुनिक अवसंरचना के प्रमुख विकास के लिए और निदेशक तथा संकाय तथा आईआईआईटी हैदराबाद की शैक्षिक एवं शोध गतिविधियों के लिए योगदान को दर्ज किया।

परिसर में नियुक्ति, इंटर्नशिप, प्रायोजित परियोजनाएं और उद्योग जगत की भागीदारी में हमारी उपलब्धियां इसका साक्ष्य हैं। हमारे छात्रों के पहले तीन बैच ने बहुराष्ट्रीय आईटी कंपनियों में अपने कैरियर आरंभ किए हैं, प्रौद्योगिकीय स्टार्ट–अप सफलतापूर्वक आरंभ किए हैं और कोर ईसीई कंपनियों में भर्तियां प्राप्त की हैं। माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, टीसीएस, आईजीएम, डिलॉयट, स्विगी, ग्रोफर कुछ बहुराष्ट्रीय कंपनियां हैं जहां हमारे छात्रों को वर्तमान में नौकरियां प्राप्त हुई हैं। हमारे परिसर में दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है जो हमारे छात्रों की गुणवत्ता और संस्थान में प्राप्त शिक्षा और अभिमुखीकरण को दर्शाता है। हमारे छात्रों की उपलब्धता में वृद्धि देश (तथा विदेश) में गुणवत्तापरक नौकरियों से भी यह प्रदर्शित होता है। हमने हमारे पाठ्यक्रम में छात्रों के लिए ग्रीष्म एवं सेमेस्टर इंटर्नशिप (प्री–फाइनल वर्ष के अंत और अंतिम वर्ष के अंत के दौरान) को सुकर बनाया है।

प्रत्येक छात्र को उन चुनौतियों से अवगत कराते हुए जिनका उन्हें प्लेसमेंट में सामना करना होता है, 10 से 15 छात्रों को इम्पेक्ट कार्यक्रम के अंतर्गत किसी संकाय कार्यक्रम के साथ जोड़ा जाता है जिसमें संकाय सदस्य योजना बनाते है और अपने छात्रों के लिए लक्ष्य और उपलब्धियां निर्धारित करते हैं तथा उन्हें अवसरों के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। विशेषकर छात्र अधिक सूचना से अनभिज्ञ होते हैं जो संभावित रूप से छात्र की उसके स्वप्न को साकार करने में सहायता प्रदान कर सकती हैय इम्पेक्ट कार्यक्रम छात्रों के लिए संकाय एवं प्रमुख समूह के साथ बैठकों के जरिए सूचना के अंतर को पाटने के लिए एक अवसर प्रदान करता है।

7 वर्ष के थोड़े से समय के भीतर ही संस्थान ने दो शोध केंद्र स्थापित किए हैं – स्मार्ट शहर केंद्र (सीएससी) और एमएचआरडी द्वारा आरंभ किया गया डिजाइन एवं नवाचार केंद्र (डीआईसी)। ये केंद्र विभिन्न विषयों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जैसे कि कंप्यूटर दृष्टिकोण, आंकड़ों का विश्लेषण, आईओटी, मशीन लर्निंग, सौर ऊर्जा, स्मार्ट परिवहन इत्यादि। संस्थान में कई शोध

समूह और महत्वपूर्ण रूप से उसमें सरकार की निधियन एजेंसियों जैसे कि इसरो, डीआरडीओ, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) तथा उद्योग जगत जैसे कि एनलॉग डिवाइसेस, एनविडिया, हेला ऑटोमोटिव इत्यादि दोनों के 4+ करोड़ मूल्य की कई प्रायोजित परियोजनाएं है। महत्वपूर्ण रूप से आईआईआईटी श्री सिटी जुलाई, 2016 में पूर्णतः वित्त–पोषित एमएस/पीएच.डी. कार्यक्रम पीपीपी मोड में आरंभ करने वाला पहला आईआईआईटी है। वर्तमान में संस्थान में 30+ पूर्णकालीन पीएच.डी. छात्र और शोध फैलो हैं जो विभिन्न प्रायोजित परियोजनाओं पर कार्य कर रहे हैं।

हमने प्रौद्योगिकी स्टार्ट–अप को इंकूवेट करने और उनका वित्त–पोषण करने के लिए माइटी (टीआईडीई 2 योजना के अंतर्गत) द्वारा वित्त–पोषित ज्ञान सर्कल वेंचर, एक प्रौद्योगिकी व्यापार इंकूवेटर (टीबीआई) की स्थापना की है। हम मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा समर्थित संस्थान नवाचार प्रकोष्ठ के भाग है जो छात्रों में सृजनात्मकता और नवाचार को प्रोत्साहित करता है। आईआईआईटी श्री सिटी का ई–प्रकोष्ठ कार्यशालाओं, लेक्चरों और परिसरों के माध्यम से उद्यमिता विचारों के प्रयासों को आगे बढ़ाने का कार्य करता है।

प्रौद्योगिकी एवं शिक्षण के अतिरिक्त हमारा विश्वास है कि दीर्घकालीन रूप से किसी व्यक्ति की सफलता का निर्णय न केवल तकनीकी कौशल से किया जाता है बल्कि उसके सामाजिक व्यवहार, सॉफ्ट कौशल और दृष्टिकोण से भी किया जाता है। आईआईआईटी श्री सिटी में तकनीकी, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों को शामिल करते हुए 12 से अधिक क्लब हैं, प्रत्येक छात्र को कम से कम प्रत्येक श्रेणी में से एक, न्यूनतम तीन क्लबों का सदस्य बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

हमारे सामाजिक कार्य उल्लेखनीय है। हमने उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत नजदीक के पांच गांवों को अपनाया है। हमारे छात्र बालकों, शिक्षित युवाओं, महिलाओं और प्रौढ़ व्यक्तियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए इन गांवों में विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

आईआईआईटी श्री सिटी रणनीतिगत रूप से उद्योग के मध्य परंतु फिर भी एक हरे भरे वातावरण में स्थित हैं और यह चेन्नई एवं तिरुपति से नजदीक हैं। आईआईआईटी श्री सिटी का एक रमणीय और शांत वातावरण है परंतु फिर भी यह एक मजबूत सामाजिक ढांचा प्रदान करता है। यह इस बात को सुनिश्चित करता है कि संस्थान चेन्नई में उद्योगों और स्टार्ट–अप इको–सिस्टम, तिरूपति में इलेक्ट्रॉनिक्स स्टार्ट–अप इको–सिस्टम के साथ भलीभांति प्रकार से जुड़ा हुआ है और साथ ही यह सहयोग हेतु अन्य सुज्ञात शैक्षिक संस्थाओं के साथ भी जुड़ा हुआ है।

मुझे विश्वास है कि हम आने वाले वर्षों में हमारे शैक्षिक कार्यक्रमों की गहराई, हमारी शोध परियोजनाओं की दृढ़ता, हमारे संकाय सदस्यों के समर्पण, हमारे व्यावसायिक कर्मचारियों के समर्पण और हमारे छात्रों की उपलब्धियों के कारण बेहतर ऊंचाइयों को हासिल करेंगे। यह सभी आईआईआईटी श्री सिटी में एक उत्साही और आशाजनक यात्रा को इंगित करता है।

आईआईआईटी श्री सिटी के समुदाय की ओर से मैं शासी मंडल के सदस्यों, शिक्षा मंत्रालय, आंध्र प्रदेश सरकार और उद्योग भागीदारों का उनका परिसर के विकास में निरंतर मार्गदर्शन और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

प्रो. जी. कन्नाबिरन
निदेशक

2.संस्थान के रूप में आईआईआईटीएस

2.1 संस्थान के बारे में

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान श्री सिटी, चित्तूर जिसे आईआईआईटी श्री सिटी के रूप में जाना जाता है, की स्थापना शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी में नए ज्ञान को विकसित करने और सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के लिए वैश्विक मानक के श्रमिक प्रदान करने और ऐसी संस्थाओं के साथ जुड़े अन्य मामलों अथवा उस प्रकार की संस्थाओं की सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से संसद के अधिनियम द्वारा राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में 2013 में की गई थी। इसके भागीदार भारत सरकार, आंध्र प्रदेश सरकार और श्री सिटी फाउंडेशन है। इस योजना के अंतर्गत संस्थान की स्थापना वर्ष 2013 में भारत सरकार (50% योगदान), आंध्र प्रदेश की सरकार (35% भागीदारी) और श्री सिटी फाउंडेशन (15%) भागीदारी के बीच भीगादारी के साथ की गई थी।

वर्ष 2011 में भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) पद्धति से 20 नए भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) की स्थापना की योजना की घोषणा की थी। इस योजना में स्वायत्त, नॉट फॉर प्रोफिट, आत्म निर्भर, शोध संचालित, शैक्षिक संस्थानों की परिकल्पना की गई है जो भारत की अर्थव्यवस्था और उद्योग जगत महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वैश्विक प्रतिस्पर्धा में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इन संस्थानों से चुने गुए क्षेत्रों में अनुप्रयुक्त सूचना प्रौद्योगकी अनप्रयुक्त शोध एवं शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने की आशा की जाती है। आईआईआईटी श्री सिटी चित्तूर को दिनांक 02 सितंबर, 2013 को सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के अंतर्गत सोसाइटी रजिस्ट्रार के पास पंजीकृत किया गया। तदंतर इसे 09 अगस्त, 2017 को भारत के राजपत्र द्वारा संसद के एक अधिनियम के माध्यम से इसे राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया।

2.2 लक्ष्य, दृष्टिकोण & उद्देश्य

2.2.1. लक्ष्य

आईआईआईटी का लक्ष्य सूचना प्रौद्योगिकी और अन्य संबद्ध इंजीनियरिंग विषयों में ज्ञान के सृजन एवं प्रसार में उत्कृष्टता के उच्च मानक प्राप्त करना है।

2.2.2. दृष्टिकोण

राष्ट्रीय रूप से संगत और अंतर्राष्ट्रीय रूप से मान्यता प्राप्त उद्यमिता संस्थान।

2.2.3. उद्देश्य

- सूचना प्रौद्योगिकी तथा ज्ञान के संबद्ध क्षेत्रों में अग्रणी संस्थानों में से एक बनना
- सूचना प्रौद्योगिकी तथा संबद्ध क्षेत्रों में नए ज्ञान एवं नवाचार को आगे बढ़ाना ताकि राष्ट्र वैश्विक संदर्भ में सशक्त बन सकें;
- सक्षम एवं मजबूत युवा तैयार करना जो देश की ज्ञान आवश्यकताओं को पूरा करने और सूचना प्रौद्योगिकी एवं संबद्ध क्षेत्रों में वैश्विक नेतृत्व प्रदान करने के लिए सामाजिक और पर्यावरणीय अभिमुखीकरण के साथ नवाचार एवं उद्यमिता की भावना से युक्त हो;
- विभिन्न पदों, शैक्षिक मूल्यांकन, प्रशासन और वित्त के लिए प्रवेश, नियुक्ति के मामले में अधिकतम स्तर की पारदर्शिता का संवर्धन करना और उसे प्रदान करना।

2.3 पालन

2.3.1 शासी मंडल बीओजी

1. **प्रभारी अध्यक्षः (नए अध्यक्ष की नियुक्ति होने तक)**
श्री अमित खरे, आईएएस
सचिव, भारत सरकार, उच्चतर शिक्षा विभाग
एमएचआरडी (14.12.2019 से)

श्री अमित खरे मानव संसाधन विकास मंत्रालय में सचिव, उच्चतर शिक्षा है। वे झारखंड काडर के 1985 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी है। वह सेंट स्टीफेन कॉलेज से स्नातक और आईआईएम, अहमदाबाद से स्नातकोत्तर है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार दोनों में महत्वपूर्ण पद धारित किए हैं। वह चार जिलों के कलेक्टर/उपायुक्त थे। उनका वित्त तथा शिक्षा के क्षेत्र में काफी लंबा अनुभव है। वह सचिव, राजस्व बोर्ड, बिहार, झारखंड वाणिज्यिक कर आयुक्त और प्रधान सचिव, वित्त एवं आयोजना विभाग, झारखंड थे। उन्होंने राज्यपाल, झारखंड के प्रधान सचिव के रूप में भी कार्य किया है तथा वह रांची विश्वविद्यालय के कुलपति भी थे। श्री अमित खरे ने शिक्षा नीति, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और कॉपीराइट संबंधी कार्य को देखते हुए संयुक्त सचिव, उच्चतर शिक्षा के रूप में केंद्र सरकार में कार्य किया है। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय औषधीय कीमतीकरण प्राधिकरण के सदस्य सचिव के रूप में भी कार्य किया है।

2. **श्री आर. सुब्रमण्यम, आईएएस**
सचिव, भारत सरकार, उच्चतर शिक्षा विभाग,
एमएचआरडी (13.12.2019 तक)

श्री आर. सुब्रमण्यम, मानव संसाधन विकास मंत्रालय में सचिव, उच्चतर शिक्षा है। वे आंध्र प्रदेश काडर के 1985–बैच के आईएएस अधिकारी है। उन्होंने मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई से बीए इकनॉमिक्स तथा जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में एमए और एम फिल की है। उन्होंने भारतीय विदेश व्यापार संस्थान से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में एमबीए की है। राष्ट्रमंडल अध्येतावृत्ति पर यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रेडफोर्ड यूके से मैक्रो–इकनॉमिक्स में एमएससी का अध्ययन किया है। उन्होंने आँध्र प्रदेश सरकार के ग्रामीण विकास विभाग में प्रधान सचिव के रूप में कार्य किया है। उन्होंने आयुक्त, कमजोर वर्ग आवास तथा आंध्र प्रदेश राज्य आवास निगम के एमडी के रूप में इन्द्रिम्मा हाउसिंग प्रोग्राम के कार्यान्वयन में कार्य किया है जिसका लक्ष्य 'झोपड़ी–मुक्त' राज्य बनाना है। उन्होंने दिल्ली में भारत सरकार में वस्त्र मंत्रालय में निदेशक; स्कूल शिक्षा निदेशक; हैदराबाद और पूर्वी गोदावरी जिलों के जिला कलेक्टर के रूप में कार्य किया है।

3. **श्रीमती दर्शन मोमाया डबराल**
संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार
उच्च शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकाय मंत्रालय
शास्त्री भवन, नई दिल्ली

1990 बैच की आईपीएंडटीएएंडएफएस अधिकारी दर्शना मोमाया डबराल संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलहाकार, उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली है।

4. **श्री राकेश रंजन**
अपर सचिव (तकनीकी शिक्षा)
उच्चतर शिक्षा विभाग, एमएचआरडी
नई दिल्ली

वह आईआईटी कानपुर से यांत्रिक इंजीनियरिंग स्नातक है। उन्होंने 1992 में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) ज्वाइन की। पिछले 25 वर्षों के दौरान उन्होंने 14 से अधिक वर्षों में भारत के कुछ अत्यधिक कठिन क्षेत्रों (त्रिपुरा, झारखंड और मणिपुर राज्यों) तथा भारत सरकार के 05 (पांच) मंत्रालयों/विभागों – रक्षा, विदेश कार्य, संस्कृति, उच्चतर शिक्षा और फार्मासियुटिकल में कार्य किया है।

5. **श्री सतीश चन्द्रा आईएएस**
विशेष मुख्य सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग
आंध्र प्रदेश सरकार

श्री सतीश चन्द्रा, आंध्र प्रदेश सरकार, उच्चतर शिक्षा विभाग के विशेष मुख्य सचिव/प्रधान सचिव (एचई) आंध्र प्रदेश सरकार है। वह 1986 बैच काडर के एक भारतीय प्रशासनिक अधिकारी है।

6. **श्री श्रीनिवास सी. राजू**
अध्यक्ष, श्रीसिटी फाउंडेशन

श्री चिंतालापति श्रीनिवास राजू श्री सिटी के अध्यक्ष है जो कि दक्षिण भारत में सबसे बड़ा समेकित व्यापार शहर है।

श्री चिंतालापति श्रीनिवास राजू जिन्हें वृहत रूप से श्रीनि राजू के रूप में जाना जाता है, एक भारतीय उद्यमी और निजी इक्विटी निवेशक हैं। श्रीनि राजू दून एंड ब्राड स्ट्रीट सत्यम सॉफ्टवेयर, 1994 में स्थापित दून एंड ब्राड स्ट्रीट की इनहाउस टेक्नोलॉजी यूनिट जो दून एंड ब्राड स्ट्रीट के व्यापार के लिए बड़े स्तर की आईटी परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर

ध्यान केंद्रित करती है, के संस्थापक सीईओ और एमडी है। डीबीएसएस को बाद में कॉग्नीजेंट का नाम दिया गया।

तत्पश्चात् श्रीनि पीपल कैपिटल (आईलेब्स वेंचर्स कैपिटल फंड), हैदराबाद तथा चेन्नई में स्थित एक निजी इक्विटी (पीई) फर्म के सह–संस्थापक तथा अध्यक्ष बने। अगली पीढ़ी के उद्यमियों को वित्त–पोषण तथा परामर्श के अतिरिक्त वे उच्च शैक्षिक शिक्षण संस्थाओं के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाते है।

श्रीनि उठा स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए से सिविल तथा पर्यावरण इंजीनियरिंग में एमएस तथा आरईसी (एनआईटी), कुरुक्षेत्र से ऑनर्स के साथ सिविल इंजीनियरिंग में बीएस है।

श्रीनि शिक्षा और कौशल विकास के प्रति अति समर्पित है। वे अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी), हैदराबाद की शासी परिषद के संस्थापक सदस्य और सदस्य; भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान श्री सिटी के भागीदार (डोनर) तथा शासी मंडल के सदस्य; इंडियन स्कूल ऑफ बिजिनेस (आईएसबी) के एक्जीक्यूटिव बोर्ड सदस्य तथा श्रीनि राजू सेंटर फॉर नेटवर्क्ड इकनॉमी (एसआरआईटीएनई) के बेनीफैक्टर; केआरईए विश्वविद्यालय के सह–प्रायोजक (डोनर) और बोर्ड सदस्य; तथा टी–हब, हैदराबाद के संस्थापक सदस्य एवं बोर्ड सदस्य हैं।

7. श्री रवींद्र सन्नारेड्डी
प्रबंध निदेशक, श्री सिटी (प्रा.) लिमिटेड

श्री रवींद्र सन्नारेड्डी श्री सिटी के प्रबंध निदेशक है जो कि दक्षिण भारत में सबसे बड़ा समेकित व्यापार शहर है। वे लगभग 2 दशकों से हाईटेक उद्यमों के सृजन और अनुरक्षण में रत रहे हैं। आज रवी अवसंरचना विकास एवं अन्य संबद्ध व्यापार में विविध रुचि के साथ एक स्थापित उद्योग–कप्तान है।

रवि एक प्रथम पीढ़ी के युवा उद्यमी की सफलता की कहानी को भी समाहित करते हैं जिनकी जड़े ग्रामीण पृष्ठभूमि की हैं और जिन्होंने थोड़े समय में गहन अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप और आकार में अपने व्यक्तिव एवं अपने व्यापार का विकास किया है।

"माटी के बेटे"के रूप में उनन्होंने समाज को वापस देने और आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्र जहां वे पैदा हुए थे, का उत्थान करने का निर्णय लिया। उन्होंने श्री सिटी के निर्माण में स्थानीय समुदायों में उनकी मजबूत जड़ों के साथ विदेश में रहने और व्यापार करते हुए प्राप्त किए गए गहन अनुभव को समेकित किया, जो कि भारत में नए शहरीवाद का एक अनूठा उदाहरण है। वे अपनी टीम का विश्व की सर्वोत्तम कंपनियों के गंतव्य के रूप में श्री सिटी को अपने लक्ष्य बनाने हेतु नेतृत्व करने में सफल रहे हैं।

वे जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी, बाल्टीमोर, मेरीलैंड, यूएसए से पर्यावरण इंजीनियरिंग में एम. एस.ई. डिग्री तथा उठा स्टेट यूनिवर्सिटी, लोगान, उठा, यूएसए से जल संसाधन प्रबंधन में एम.एस. डिग्री तथा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (पूर्व आरईसी), तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु, भारत सरे सिविल इंजीनियरिंग में बी.एस. डिग्री धारी है। वे भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, श्री सिटी के शासी मंडल के सदस्य है।

8. प्रो जी. कन्नाबिरन
निदेशक, आईआईआईटी श्री सिटी चित्तूर

डॉ. गणेश, कन्नाबिरन, प्रबंधन प्रोफेसर (एचएजी). डॉ. गणेश कन्नाबिरन 25 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुचिरापल्ली में वरिष्ठ प्रबंधन प्रोफेसर है। उन्होंने कई वर्षों तक विभाग के प्रमुख के रूप में और संस्थान के स्तर पर शोध एवं परामर्श डीन के रूप में कार्य किया है। उन्होंने जून–नवंबर, 2016 की छोटी सी अवधि के लिए संस्थान के प्रभारी निदेशक के रूप में भी कार्य किया है।

वे राष्ट्रमंडल व्यावसायिक अध्येतावृत्ति (इडनबर्ग नेपियर यूनिवर्सिटी, यूके–2015), दो फुलब्राइट फैलोशिप (एजूकेशन एडमिनिस्ट्रेटर प्रोग्राम–2011, ओकलाहोमा स्टेट यूनिवर्सिटी–2015 में फुलब्राइट विजिटिंग लेक्टरार), तथा ब्रिटिश काउंसिल स्टडी फैलोशिप (हूडर्सफील्ड यूनिवर्सिटि यूके–1997) के प्राप्तकर्ता है। उन्होंने उच्च शिक्षा में उत्पादकता के माप संबंधी एशियाई उत्पादिकता संगठन द्वारा समर्थित एक अंतर्राष्ट्रीय शोध अध्ययन के लिए राष्ट्रीय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

उद्यमिता विकास एवं इंकूबेशन केंद्र के संस्थापक निदेशक (एनआईटीटी द्वारा संवर्धित खंड 8 कंपनी) के रूप में उन्होंने इंकूबेशन सुविधा के सृजन के लिए और बीजक निधियन के जरिए नवाचारी व्यापार उद्यम को सहायता प्रदान करने हेतु सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की 15.5 मिलियन भारतीय रूपए का प्रमुख अनुदान प्राप्त किया। उन्होंने भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से प्रदत्त "उच्च प्रभाव उद्यमिता परिसर पुरस्कार 2015" जीतने में संस्थान का नेतृत्व किया। उन्होंने नवाचारी और उद्यमिता विकास प्रयासों के समर्थन हेतु सोनाटा सॉफ्टवेयर लिमिटेड से 1.2 भारतीय करोड़ रुपए का कारपोरेट निधियन प्राप्त करने में प्रयासों का नेतृत्व किया।

प्रो. पी. विश्वनाथ
एसोसिएट प्रोफेसर और रजिस्ट्रार प्रभारी
(30 जनवरी, 2019 से 26 अगस्त, 2019)

प्रो. जी. कन्नाबिरन
निदेशक और रजिस्ट्रार प्रभारी
(27 अगस्त, 2019 से रजिस्ट्रार प्रभारी के रूप में अतिरिक्त प्रभ

2.3.2 वित्त समिति

अध्यक्ष	श्री आर. सुब्रमण्यम सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, एमएचआरडी (13.12.2019 तक) श्री अमित खरे, आईएएस सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग एमएचआरडी, भारत सरकार (14.12.2019 से)
सदस्य	श्री अनिल कुमार, निदेशक (वित्त), एमएचआरडी, भारत सरकार --- राज्य सरकार प्रतिनिधि – मनोनीत सदस्य --- श्री श्रीनिवास सी. राजू अध्यक्ष, श्रीसिटी फाउंडेशन --- प्रो जी. कन्नाबिरन निदेशक, आईआईआईटी श्री सिटी

2.3.3. भवन निर्माण समिति

अध्यक्ष	प्रो जी. कन्नाबिरन निदेशक, आईआईआईटी श्री सिटी
सदस्य	प्रो. अभिजीत गांगुली – सदस्य एसोसिएट प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष सिविल इंजीनियरिंग विभाग आईआईटी तिरुपति (एमएचआरडी के नामित, भारत सरकार)
	राज्य सरकार प्रतिनिधि – मनोनीत सदस्य
	~~श्री श्री~~निवास तल्लाप्रगड़ा स्वतंत्र परियोजना और सुविधाएं सलाहकार (उद्योग भागीदार के नामित)
	प्रो. ए. मेहर प्रसाद – सदस्य प्रोफेसर, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग डिवीजन आईआईटी मद्रास
	प्रो. मीनाक्षी जैन – सदस्य निदेशक योजना और वास्तुकला स्कूल विजयवाड़ा
	डॉ. राजेंद्र प्रसाद – सदस्य एसोसिएट प्रोफेसर शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए संकाय प्रभारी
	डॉ. ऋषिकेश वेंकटरमन – सदस्य एसोसिएट प्रोफेसर अनुसंधान एवं विकास के लिए संकाय प्रभारी
	रजिस्ट्रार प्रभारी सचिव आईआईआईटी श्री सिटी, चित्तूर

2.3.4 सीनेट

पदेन अध्यक्ष	प्रो. जी. कन्नाबिरन निदेशक, आईआईआईटी श्री सिटी चित्तूर
	प्रो.राजेंद्र प्रसाद अकादमिक कार्यक्रमों के लिए एसोसिएट प्रोफेसर और संकाय प्रभारी
	प्रो. ऋषिकेश वेंकटरमन एसोसिएट प्रोफेसर और अनुसंधान और विकास के लिए संकाय प्रभारी
	प्रो. सी. वी. जवाहर प्रोफेसर और डीन (आर एंड डी), आईआईआईटी हैदराबाद
तीन व्यक्ति जो ख्यातिप्राप्त शिक्षाविद हों परंतु संस्थान के कर्मचाी न हों	प्रो.देवेंद्र जलील प्रोफेसर (इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स) आईआईआईटी मद्रास
	प्रो. एम बालाकृष्णन प्रोफेसर, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग और उप निदेशक, रणनीति और योजना, आईआईटी दिल्ली
	प्रो. एस. सुदर्शन सुब्रतो एम नीलेकणि चेयर प्रोफेसर कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, आईआईटी बॉम्बे
तीन व्यक्ति जो शिक्षण कर्मचारी न हों	प्रो. गार्गी बी दासगुप्ता निदेशक, आईबीएम रिसर्च इंडिया और सीटीओ, आईबीएम इंडिया बेंगलुरु
उनके विशिष्ट ज्ञान के लिए सह नियोजित	श्री कन्नन बाबू रामिया प्रधान अभियंता, इंटेल इंडिया बेंगलुरु
	श्री श्रीकुमार श्रीधरन उत्पाद प्रमुख, टीसीएस, चेन्नई
पदेन सचिव	रजिस्ट्रार इंचार्ज

2.4 संस्थान का स्थान

परिसर श्री सिटी में 81 एकड़ में फैला और अत्याधुनिक अवसंरचना से सुसज्जित है। सड़क, वायु मार्ग इत्यादि द्वारा बाधारहित कनेक्टिविटी के नेल्लोर राजमार्ग, श्री सिटी पर चेन्नई के 55 किलोमीटर उत्तर में स्थित। (विजिटः http://www.sricity.in). आईआईआईटी श्री सिटी कला, उद्योग शहर के दशक पुराने राज्य श्री सिटी में स्थित है जो कि बहु उत्पाद विशेष आर्थिक जोन (एसईजेड़), घरेलू टैरिफ जोन (डीटीजेड़), फ्री ट्रेड एवं वेयर हाउसिंग जोन (एफटीडब्ल्यूजेड़) तथा इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण कलस्टर का शामिल करते हुए 8000 से अधिक एकड़ में फैला है। श्री सिटी में 27 देशों की 175 कंपनियां हैं। संस्थान की उद्योग भागीदार के माध्यम से श्री सिटी में उपलब्ध उद्योगों तथा सामाजिक अवसंरचना तक पहुंच है।

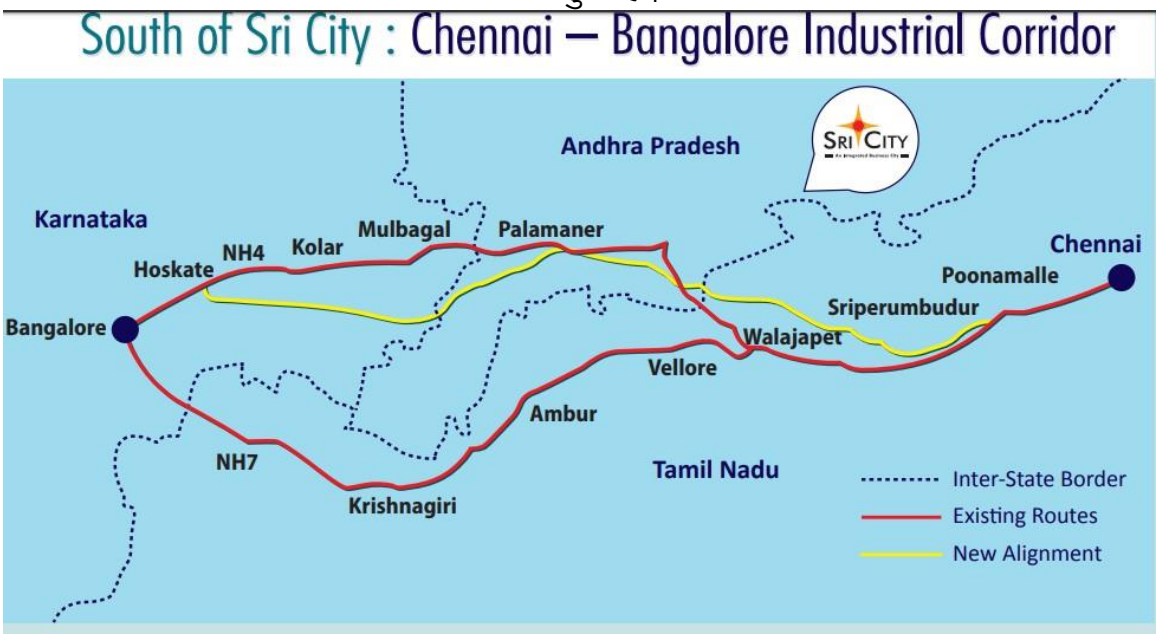

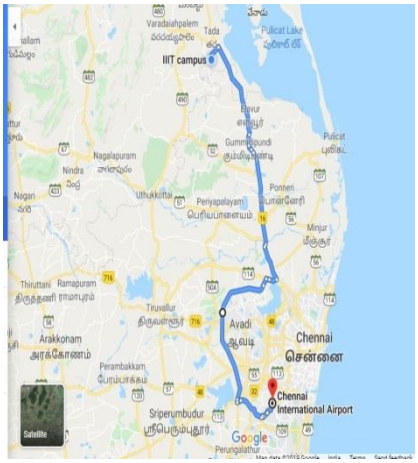

2.5 अवसंरचना

शिक्षण–कक्ष

संस्थान ने शैक्षिक वर्ष 2018–19 से अपने स्वयं के परिसर से कार्य करना आरंभ किया।

शैक्षिक ब्लॉक

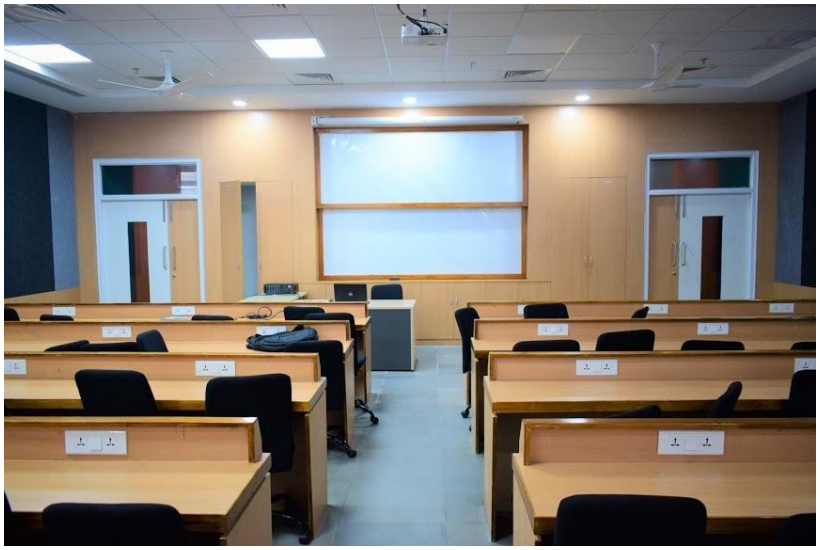

60 सीटों की क्षमता के साथ शिक्षण–कक्ष

120 सीटों की क्षमता के साथ शिक्षण–कक्ष

3. पुस्तकालय

शैक्षिक वर्ष 2019–20 में आईआईआईटी श्री सिटी के पुस्तकालय के लिए प्रमुख इवेंट। जैसा कि नीचे दिए गए चित्र में दर्शाया गया है कि पुस्तकालय की 50 सीटिंग क्षमता के साथ 1905 वर्ग मीटर का क्षेत्र है। सीएसई, ईसीई, गणित और मानविकी को शामिल करते हुए कुल 2975 पुस्तकों की क्षमता के साथ 23 रैक हैं। यह संख्या पुस्तकों के आकार के आधार पर भिन्न हो सकती है।

कई पाठ्य–पुस्तकों, संदर्भ एवं शोध संबंधित पुस्तकों की खरीद की गई जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया हैः 2019–20 के दौरान आईआईआईटी श्री सिटी में शैक्षिक ब्लॉक पर व्यय का विवरण

क्र.सं.	विभाग	पुस्तकों की संख्या	लागत
1	ईसीई	39	26,780
2	गणित	19	7,936
3	प्रबंधन	17	7,151

प्रयोगशालाएं

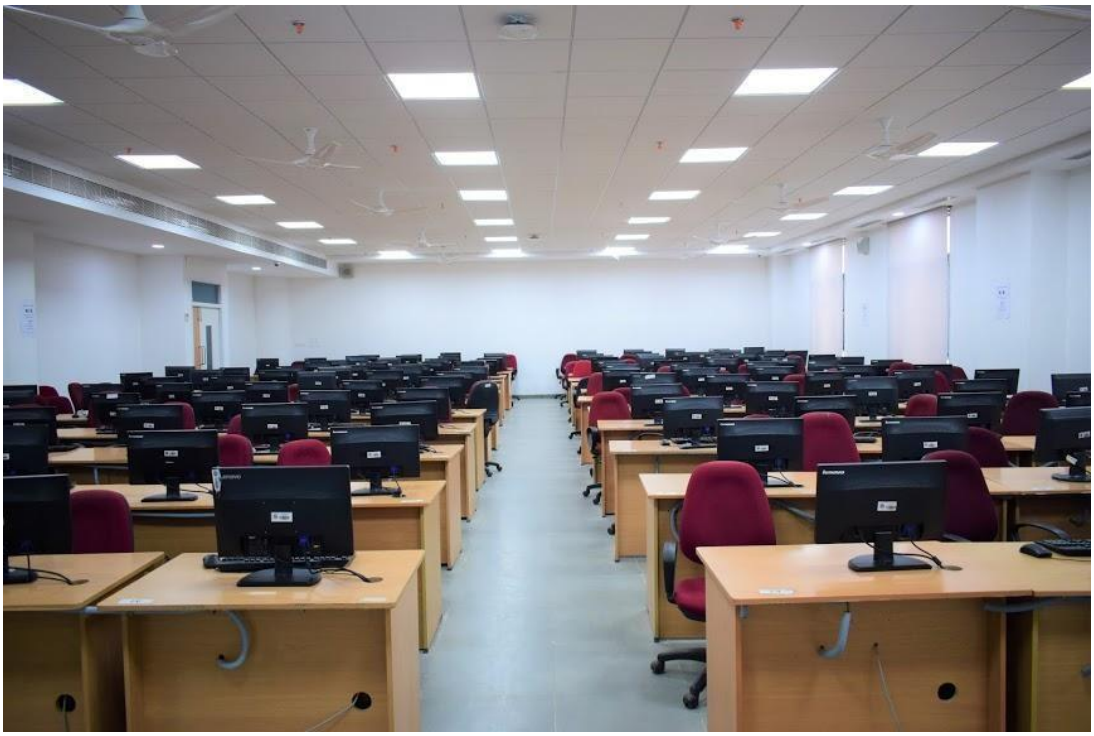

125 सीटिंग क्षमता के साथ कंप्यूटर प्रयोगशाला

100 सीटिंग क्षमता के साथ इलेक्ट्रॉनिक प्रयोगशाला

छात्रावास

छात्रावास एवं भोजनशाला सुविधा

भोजनशाला

खेल सुविधाएं

3.प्रवेश

3.1 यूजी प्रवेश नीतिः

आईआईआईटी श्री सिटी सूचना प्रौद्योगिकी पर केंद्रित अवर स्नातक कार्यक्रम प्रदान करता है

- कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में बी.टेक. (सीएसई)
- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग में बी.टेक. (ईसीई)

जेओएसएए/सीएसएबी के तहत प्रवेश

आईआईआईटी श्री सिटी प्रवेश अधिनियम के अनुसार केंद्रीय शिक्षा संस्थान आरक्षण का अनुपालन करता है। प्रवेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईईई मैन) पर आधारित होता है। जेईईई मैन की अधिसूचना सितंबर–दिसंबर के दौरान भारत के दैनिक समाचार–पत्रों में प्रकाशित की जाती है और इसका संचालन भारत के विभिन्न केंद्रों में प्रत्येक वर्ष मई माह में किया जाता है। प्रवेश सभी वर्गों, धर्म, जातियों और ट्रांसजेंडर सहित सभी लिंगों के लिए खुला होता है। सीएसई और सीएससी कार्यक्रमों में बी.टेक. प्रवेश जेओएसएए/सीएसएबी के माध्यम से दिया जाता है।

जेईईई मैन्स में वरीयता रैंकिंग के आधार पर संयुक्त सीट आबंटन प्राधिकरण (जेओएसएए) अथवा केंद्रीय सीट आबंटन बोर्ड (सीएसएबी) अभ्यर्थियों को उनकी रूचि के संस्थान को चुनने हेतु एक ऑनलाइन काउंसलिंग सत्र के लिए आमंत्रित करते हैं। जेओएसएए तथा सीएसएबी सीट आबंटन प्रक्रिया की घोषणा करते है तथा आईआईआईटी श्री सिटी छात्रों के सीट आबंटन में कोई भूमिका नहीं निभाता है। आईआईआईटी श्री सिटी में प्रवेश के लिए योग्यता ही एक मात्र मापदंड है। प्रवेश प्रक्रिया संबंधी आगे विवरण के लिए कृपया वेबसाइट www.josaa.nic.in देखें।

257 छात्रों को सीएसएबी/जेओएसएए के माध्यम से सीएसई और ईसीई में 4 वर्षीय बी.टेक. कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया है

डीएएसए के अंतर्गत प्रवेश और भारतीय कार्यक्रम में अध्ययनः

संस्थान ने डीएएसए के माध्यम से विदेशी छात्रों के प्रवेश और भारतीय कार्यक्रम में अध्ययन के लिए 2019–20 से आरंभ करते हुए कदम उठाए हैं। गैर–सार्क श्रेणी के अंतर्गत डीएएसए के लिए अधिकतम 15% सीटें देने का प्रस्ताव है। भारत में अध्ययन कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान सीएसई और ईसीई कार्यक्रमों में अधिकतम 40 छात्रों के अधीन छात्रों के 20% के लिए 25% फीस छूट प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त, भारत में अध्ययन और यूके एजूकेशन एंड रिसर्च इनोवेशन पार्टनरशिप (यूकेआईईआरआई) के भाग के रूप में आईआईआईटी श्री सिटी यूके से विशिष्ट विश्वविद्यालयों के छात्रों को आईआईआईटी श्री सिटी में न्यूनतम दो सप्ताह से छः माह के लिए स्थान देगा। अधिक ब्यौरे के लिए देखे डीएएसए की वेबसाइट www.dasanit.org

अधिक ब्यौरे के लिए देखे http://www.studyinindia.gov.in/

7 छात्रों को डीएएसए के माध्यम से सीएसई और ईसीई में 4 वर्षीय बी.टेक. कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया।

3.2 स्नातकोत्तर प्रवेश नीतिः

डॉक्टर ऑफ फिलोसफी (पीएच.डी)

कम्प्युटर विज्ञान और इंजीनियरिंग/इलेक्ट्रानिक्स और संचार इंजीनियरिंगः
इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी/बायो–इंर्फोमेटिक्स् की किसी शाखा में प्रथम श्रेणी (60 प्रतिशत और उससे ऊपर) अथवा ग्रेड प्वाइंट स्केल में समकक्ष सीजीपीए के साथ एमई/एमटेक/एमएस अथवा समकक्ष डिग्री सहित अच्छा शैक्षिक रिकॉर्ड। (अथवा) सांख्याकी/गणित/एमसीए/भौतकी/इलेक्ट्रानिक विज्ञान/कम्प्युटर विज्ञान/वातावरण विज्ञान/सूचना प्रौद्योगिकी/बायो–इंर्फोमेटिक्स/भूगोल (अथवा गणित एवं प्रोग्रोमिंग में मजबूत पृष्ठभूमि के साथ किसी संबद्ध क्षेत्र) अथवा अन्य संबंधित विषयों में स्नातकोत्तठर डिग्री सहित आपवादिक अभ्यर्थी। (अथवा) ऐसे आपवादिक अभ्यर्थियों जिनके पास बीई/बी. टेक अथवा समकक्ष डिग्री हो, पर भी विचार किया जा सकता है।

अंशकालीन पीएचडी छात्रों का प्रवेश

संस्थान ने उद्योग जगत से और भारत सरकार की शोध प्रयोगशालाओं जैसे कि डीआरडीओ, इसरो इत्यादि के व्यक्तियों के लिए मानसून (जुलाई) 2019 से एक अंशकालीन पीएचडी कार्यक्रम आरंभ किया है।

4. शैक्षणिक कार्यक्रम

4.1 स्नातक के तहत

अवर स्नातक पाठ्यचर्या

आईआईआईटी श्री सिटी, चित्तूर का प्रथम छः वर्षों में आईआईआईटी हैदराबाद द्वारा परामर्श दिया गया। आईआईआईटी श्री सिटी में पाठ्यचर्या एक प्रयोग–थ्योरी–प्रैक्टिस दृष्टिकोण का अनुपालन करती है जिसमें छात्रों को पहले प्रयोगात्मक प्रशिक्षण प्रदान करते हुए वास्तविक जगत के इंजीनियरिंग दृष्टिकोण से अवगत कराया जाता है। इसके पश्चात् कठोर थ्योरी आधारित पाठ्यक्रम प्रदान किए जाते हैं जिनके बाद प्रत्येक छात्र की गहन भागीदारी की आवश्यकता में वास्तविक जगत की परियोजनाओं के साथ प्रायोगिक पाठ्यक्रम पुनः प्रदान किए जाते हैं। पाठ्यचर्या आईआईआईटी हैदराबाद, आईआईटी और विश्व की उच्च शिक्षण प्रमुख संस्थाओं में सर्वोत्तम पद्धतियों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जाता है। संस्थान सर्वोत्तम कक्षा शिक्षा को प्रमुख शोध के साथ समेकित करता है जिससे अवर स्नातक छात्र दूसरे वर्ष के अंत से आरंभ करते हुए विभिन्न शोध एवं प्रौद्योगिकी विकास परियोजनाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित होते हैं। उल्लेखनीय रूप से पाठ्यचर्या ऑनर्स कार्यक्रम की लोचशीलता प्रदान करती है जिसमें छात्र 2 वर्ष की अवधि के लिए विशिष्ट क्षेत्र में कार्य करते हुए तथा अपनी रूचि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव प्राप्त करते हुए अपने कौशल को निखार सकते हैं। साइबर सिक्यूरिटी, साइबर फिजिकल सिस्टम, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, एआई तथा मशीन लर्निंग, फिनटेक, बॉयो–इंफॉरमेटिक्स, ब्लॉकचैन इत्यादि जैसे क्षेत्रों में माइनर प्रदान करने का प्रस्ताव है। इसके अतिरिक्त, पाठ्यचर्या के भाग के रूप में किसी उद्योग अथवा प्रख्यात शोध प्रयोगशाला में एक सेमेस्टर के प्रोजेक्ट प्रदान करने का प्रस्ताव है।

विशेषज्ञता के साथ अवर स्नातक

आईआईआईटी श्री सिटी में पात्र छात्र अतिरिक्त क्रेडिट करते हुए और सेमेस्टर की इंटर्नशिप परियोजनाओं द्वारा एआई तथा एमएल, साइबर सुरक्षा और साइबर फिजिकल सिस्टम में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. कर सकते हैं।

एआई एमएल में विशेषज्ञता

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा, सूचना, विजुअल समझ, प्रभावी परिवहन, लोगों के लिए ई–गवर्नेंस सेवाओं में अधिक सक्षमता सहित हाल के समय में जटिल सामाजिक समस्याओं को हल करने की संभावित योग्यता के साथ उभरा है। कई राष्ट्रों ने राष्ट्रीय प्रयासों पर

ध्यान केंद्रित किया है। भारत सरकार ने भी भारत में एआई की भूमिका के संबंध में व्यापक विचार–विमर्श आरंभ किए हैं। नीति आयोग ने भारत सरकार को समर्पित एआई योजना का सुझाव दिया है। इसके अतिरिक्त, सर्वोच्च उद्योग जैसे गूगल, अमेजन, आईबीएम, माइक्रोसॉफ्ट इत्यादि ने एआई आधारित शोध एवं विकास में हाल के दिनों में बड़ा निवेश किया है। कई स्टार्ट–अप भी विश्व भर में एआई में उभर कर सामने आ रहे हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी में राष्ट्रीय महत्व का संस्थान होने के नाते आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं मशीन लर्निंग में विशिष्ट बी.टेक. कार्यक्रम आईआईआईटीएस के इको सिस्टम में और अधिक तेजी लाएगा तथा अत्यधिक कुशल श्रमिक तैयार करेगा। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं मशीन लर्निंग में बी.टेक. का उद्देश्य उद्योग की तात्कालिक आवश्यकताओं को पूरा करना और समाज के लिए अत्यधिक सक्षम एआई वैज्ञानिक और इंजीनियर तैयार करना है। इस विशिष्ट कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के वरीयता क्षेत्रों में कड़ा प्रशिक्षण प्रदान करते हुए स्नातक तैयार करना है। एआई तथा एमएल में विशिष्टता के साथ बी.टेक. छात्रों को इस प्रकार से सुदृढ़ करेगा कि वे एआई विश्व नेता बन सकें और बेहतर तरीके से भारत के भविष्य को आकार दे सकें।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग (एआई तथा एमएल) की नौकरियों और शोध के एक सर्वोच्च क्षेत्र के रूप में पहचान की गई है। इस क्षेत्र में सीएसई में बी.टेक. कार्यक्रम की तुलना में अधिक नौकरियां होंगी। हमारे संस्थान ने एआई और एमएल ज्ञान और कौशल के साथ इंजीनियरों की मांग को पूरा करने के लिए छात्रों की तैयारी हेतु एआई तथा एमएल में विशेषज्ञता हेतु कई प्रयास किए हैं। इस प्रकार चालू अंतिम वर्ष छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग में विशेषज्ञता का विकल्प चुनने की सलाह दी जाती है। यह किसी अच्छी कंपनी में नौकरी प्राप्त करने और शानदार वेतन के आपके विकल्पों को अधिकतम बनाएंगा। सीएसई में प्लेन बी.टेक. डिग्री के लिए चालू अंतिम वर्ष के छात्रों को 156 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे। ऑनर्स के साथ बी.टेक. के लिए छात्रों को 164 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे।

इसके अतिरिक्त, छात्र एआई और एमएल में विशेषज्ञता के भाग के रूप में प्रदान किए जाने वाले प्रयोग अभिमुखी लर्निंग पाठ्यक्रमों को चुन सकते हैः

क) डीप लर्निंग
ख) रिइन्फोर्समेंट लर्निंग
ग) एआई और एमएल के उद्योग प्रयोग
घ) सेमेस्टर लंबी परियोजना

मद क) – ग) में प्रत्येक में 4 क्रेडिट हैं और इसमें उद्योग तथा शिक्षा जगत से विशेषज्ञों द्वारा शिक्षण शामिल हैं। सेमेस्टर लंबी परियोजनाओं में 8 क्रेडिट हैं और ये कार्य उन उद्योगों में किया जाएगा जिनमें एआई और एमएल शामिल होते हैं। इस प्रकार कुल मिलाकर एआई और एमएल विशेषज्ञता का विकल्प

चुनने वाले छात्र को एआई और एमएल में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. डिग्री प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त 20 क्रेडिट लेने चाहिए।

साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता

साइबर सुरक्षा नौकरियां वर्तमान में उपलब्ध है और आने वाले वर्षों में वे आईटी नौकरियों से काफी अधिक हो जाएंगी। संदर्भ यह है कि साइबर सुरक्षा व्यावसायिकों की मांग काफी बढ़ रही है और कंपनियां यह मानती है कि साइबर सुरक्षा प्रोफाइल के साथ लोगों की कमी है। वास्तव में, नास्कोम ने 2025 से पहले एक मिलियन साइबर सुरक्षा नौकरियां सृजित करने का आवाह्न किया है (मांग को पूरा करने के लिए) और यह सब आने वाले वर्षों में स्नातक होने वाले छात्रों के लिए विश्वविद्यालय में ये विशेषज्ञता पैदा करने की आवश्यकता को दर्शाता है। ऐसे अवसरों की उपस्थिति में हमारा ध्यान साइबर सुरक्षा में विशिष्ट स्नातकोत्तर कार्यक्रम के माध्यम से साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता तैयार करने पर केंद्रित है।

साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. का उद्देश्य नेटवर्क और डाटा सुरक्षा के क्षेत्र में अत्यधिक कुशल श्रमिकों की आवश्यकताओं को पूरा करना है। आईआईआईटी श्री सिटी समुदाय ऐसे विभिन्न सर्वोच्च उद्योगों के साथ जुड़ा है जो सूचना सुरक्षा के क्षेत्रों में कार्य करते हैं। प्रस्तावित विशेषज्ञता में संबंधित क्षेत्र में कुछ प्रोन्नत इलेक्टिव और सूचना सुरक्षा के विविध पाठ्यक्रम शामिल होंगे।

सीएसई में एक प्लेन बी.टेक. डिग्री के लिए अंतिम वर्ष के छात्र को 156 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे। ऑनर्स के साथ बी.टेक. के लिए छात्र को 164 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे।

इसके अतिरिक्त, साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता के भाग के रूप में छात्र प्रयोग अभिमुखी शिक्षण के साथ प्रदान करने वाले विभिन्न निम्नलिखित पाठ्यक्रमों का विकल्प चुन सकते हैः

क) साइबर सुरक्षा की पहचान
ख) नेटवर्क और डाटा सुरक्षा
ग) अनप्रयुक्त क्रिप्टोग्राफी
घ) सेमेस्टर लंबी परियोजना

मद क) – ग) में प्रत्येक में 4 क्रेडिट हैं और इसमें उद्योग तथा शिक्षा जगत से विशेषज्ञों द्वारा शिक्षण शामिल हैं। सेमेस्टर लंबी परियोजनाओं में 8 क्रेडिट हैं और ये कार्य उन उद्योगों में किया जाएगा जिनमें साइबर सुरक्षा शामिल होती हैं। इस प्रकार कुल मिलाकर साइबर सुरक्षा विशेषज्ञता का विकल्प चुनने वाले छात्र को साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. डिग्री प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त 20 क्रेडिट लेने चाहिए।

साइबर फिजिकल सिस्टम में विशेषज्ञता

सीपीएस फिजिकल प्रक्रिया, वॉयरलेस नेटवर्किंग और गहन कंप्यूटिंग का मिश्रण है। फिजिकल प्रक्रिया की विविध सेंसरों द्वारा निगरानी की जाती है और तत्पश्चात् इसे स्वचालित फीडबैक आधारित एमबेडिड नियंत्रण प्रणाली तैयार करने के लिए नेटवर्किंग के माध्यम से संचालित किया जाता है। स्वचालित/स्मार्ट प्रणालियां डाटा विश्लेषण, मशीन लर्निंग और पेटर्न पहचान की प्रौद्योगिकियों के माध्यम से डाटा बिंदुओं के साथ ली गई हैं।
पिछले 3–5 वर्षों में इस क्षेत्र में कार्य करने और प्रौद्योकीय अवसर प्रदान करने वाली कंपनियों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हुई है। इस संबंध में विनिर्माण तथा इलेक्ट्रॉनिक आधारित उद्योगों में बड़ी संख्या में प्रयोगों को देखते हुए आईआईआईटी श्री सिटी सीपीएस में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. कार्यक्रम प्रदान करता है। आईआईआईटी श्री सिटी भारत में और कुछ विश्वविद्यालयों में पहला आईआईआईटी है जिसने बी.टेक. के छात्रों के लिए यह विशेषज्ञता प्रदान की है। यह एक अंतर–विषयक कार्यक्रम है जो छात्रों को आवश्यक प्रौद्योगिकीय कौशल–सेटों की अगली आवश्यकता के लिए प्रशिक्षित और तैयार करेगा।

सीपीएस विशेषज्ञता के साथ ईसीई में बी.टेक. के लिए छात्र को अतिरिक्त 20 क्रेडिट करने होंगे। इसमें 3 अतिरिक्त 4–क्रेडिट पाठ्यक्रम सेमेस्टर लंबी इंटर्नशिप शामिल होंगी। सीपीएस विशेषज्ञता के लिए पाठ्यक्रम में प्रयोग अभिमुखी शिक्षण शामिल होगाः

1. माइक्रो–सेंसर और एक्चुएटर (एमएसए)
2. सीपीएस की पहचान
3. सीपीएस में एआईएमएल के प्रयोग

उद्योग में की जाने वाली सेमेस्टर इंटर्नशिप 8–क्रेडिट की है जिसमें सीपीएस के विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं।

आगे के बढ़ते हुए संस्थान का उद्देश्य स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए सीपीएस/आईआईओटी प्रयोगशाला की स्थापना करना है जिसमें हम श्री सिटी में हाई–टेक विनिर्माण उद्योगों के साथ सहयोग करेंगे।

ऑनर्स कार्यक्रम के मध्यम से यूजी रिसर्च पर फोकस

यूजी–रिसर्च का संवर्धन के उद्देश्य से हमारा एक अन्नय ऑनर्स कार्यक्रम है जिसमें छात्र 4 सेमेस्टर की अवधि के लिए किसी संकाय अथवा संकाय के समूह के अंतर्गत किसी विशेष क्षेत्र में कार्य कर सकते हैं। वे शोध प्रकाशन अथवा बौद्धिक संपदा अथवा सॉफ्टवेयर अथवा हार्डवेयर उत्पाद प्रस्तुत करते हुए अपनी ऑनर्स डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।

एम.टेक. (एआई) भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, श्री सिटी में कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग

विभाग द्वारा प्रदान किया जाने वाला दो वर्षीय डिग्री कार्यक्रम है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में दो वर्षीय एम.टेक. का उद्देश्य उद्योग जगत की तात्कालिक आवश्यकता को पूरा करना और समाज के लिए अत्यधिक कुशल एआई वैज्ञानिक और इंजीनियर तैयार करना है। एम.टेक. (एआई) कार्यक्रम का उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के वरीयता क्षेत्रों में कड़ा प्रशिक्षण प्रदान करते हुए स्नातक तैयार करना है। एआई में एम.टेक. छात्रों को इस प्रकार सुदृढ़ करेगा कि वे एआई विश्व अग्रणी बन सकें और एक बेहतर तरीके से भारत के भविष्य को आकार दे सकें।

स्नातक की आवश्यकता को पूरा करने के लिए कुल 64 क्रेडिट आवश्यक है। 64 क्रेडिट दो भाग में बांटे गए हैः क) 40 क्रेडिट पूरा करने के लिए आवश्यक पहले दो सेमेस्टर और ख) एम.टेक. शोध के लिए आवश्यक 24 क्रेडिट।

कार्यक्रम सलाहकार समूह का सृजनः एआई और एमएल में एम.टेक. कार्यक्रम के अतिरिक्त संस्थान ने साइबर सुरक्षा, डाटा विज्ञान इत्यादि सहित क्षेत्रों में नए एम.टेक. कार्यक्रम आरंभ करने की योजना बनाई है। यह कार्यक्रम उभरते हुए क्षेत्रों पर केंद्रित और उद्योग जगत से तथा भारत तथा विदेशों की प्रमुख संस्थाओं से आवश्यक इनपुट की आवश्यकता है। इसलिए इन कार्यक्रमों की पाठ्यचर्या तैयार करने के लिए गहन संपर्क हेतु कार्यक्रम सलाहकार समूह (पीएजी) का गठन करने का प्रस्ताव किया गया। यह पीएजी एआई और एमएल, साइबर सुरक्षा, साइबर फिजिकल सिस्टम, डाटा साइंस, जैसे क्षेत्रों में बी.टेक. विशेषज्ञताओं की समीक्षा और आयोजना में भी सहायता प्रदान करेगा। इसके अनुसार एआई और एमएल के लिए पीएजी का गठन सुश्री शालिनी कपूर, आईबीएम फैलो, डॉ. मनीष गुप्ता, निदेशक गूगल रिसर्च, डॉ. बलरामन रविन्द्रन, आईआईटी मद्रास और डॉ. एस. वेंकटेश, इनोवेशन लैब टीसीएस चेन्नई सहित विशेषज्ञों के साथ गठित किया गया है।

4.2 पीएच.डी.

आईआईआईटीएस का प्रायोजित परियोजनाओं और विद्वत प्रकाशनों के माध्यम से शोध प्रदर्शन पर महत्वपूर्ण फोकस है। यह संस्थान दोनों विषयों में एमएस और पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है।

आईआईआईटीएस की परिकल्पना आईटी शिक्षा, शोध और विकास के लिए वैश्विक रूप से ज्ञात संस्था बनना है। संस्थान में ऐसे प्रतिभाशाली संकाय सदस्यों को आकर्षित करने और उनको बनाए रखने पर विशेष बल दिया जाता है जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षण एवं शोध में पहचान बना सकें। आईआईआईटीएस के मौजूदा संकाय सदस्य उत्कृष्ट शिक्षण एवं शोध योग्यताओं के साथ भारत तथा विदेश के अग्रणी विश्वविद्यालयों से हैं।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान श्री सिटी, चित्तूर निम्नलिखित पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है, जो कंप्यूटिंग के सभी क्षेत्रों पर केंद्रित हैः

- कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में पीएच.डी.
- इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में पीएच.डी.

4.3 निष्पादन झलकियां

संस्थान आईआईटी हैदराबाद की परामर्श सहायता और आईआईआईटी हैदराबाद की शैक्षिक एवं शोध सहायता के साथ पहले पांच वर्षों में अत्यधिक प्रगति की है। श्री निवास सी राजू और श्री एम. रवि सन्नारेड्डी की नेतृत्व सहायता के अतिरिक्त संस्थान को श्री सिटी से कई पूर्व कर्मचारियों और प्रबंधकों की सहायता प्राप्त हुई। व्यक्तियों के योगदान को मान्यता प्रदान करने के लिए सफलता के आयोजन हेतु 23 अप्रैल, 2019 को एक समारोह आयोजित किया गया। प्रो. यू.बी. देसाई, आईआईटी हैदराबाद के निदेशक, प्रो. पी.जे. नारायणन, निदेशक, आईआईआईटी, हैदराबाद, प्रो. सत्यनारायण, निदेशक, आईआईटी तिरुपति ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

अग्रणी संस्थानों के निदेशकों के अवस्थापनात्मक विचारों के साथ एक भव्य सत्र का आयोजन किया गया। उन्होंने उल्लेख किया कि आईआईआईटी श्री सिटी का स्थान प्रमुख एडवांटेज है और संस्थान को इनका लाभ उठाना चाहिए। यह सुझाव दिया गया कि श्री सिटी में स्थित एमएनसी के साथ संपर्क महत्वपूर्ण शैक्षिक और शोध संभावनाएं प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त, चेन्नई नजदीकी भी उद्योगों और प्रमुख संस्थाओं के सभी क्षेत्रों के साथ सहयोग का अवसर प्रदान करेंगे। उन्होंनने आईआईआईटी श्री सिटी को मूल अधिकार, रूटीन चीजों को करते हुए सुपर स्पेशल द्वारा अन्य संस्थाओं से भिन्नता, सभी विचारों को सुनने क्योंकि लोग नए संस्थान के बारे में उत्साही होंगे और संस्थान के दृष्टिकोण और लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी।

4.4 शैक्षिक प्रदर्शन

सत्र	विषयों	नामांकित छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	पास प्रतिशत
सोता 2019 (AY 2018: UG 1 - Sem 2)	डेटा संरचनाएं और एल्गोरिदम-1	271	255	94.1
	सिग्नल और सिस्टम	271	245	90.4
	गणित-2	271	263	97
	बेसिक इलेक्ट्रॉनिक सर्किट	271	267	98.5
	संचार कौशल-2	271	271	100.0
सोता 2019 (AY 2017: UG2 - Sem 4)	संचार की बुनियादी बातें	209	209	100
	कंप्यूटर और संचार नेटवर्क	209	194	92.8
	मशीन लर्निंग	156.0	154	98.7
	डाटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम	156	156	100
	डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग	52	51	98.1
	एनालॉग सर्किट	52	52	100
	संचार कौशल-4	209	209	100

सत्र	विषयों	नामांकित छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	पास प्रतिशत
सोता 2019 (AY 2016: UG3 - Sem 6)	डीप लर्निंग	69	69	100
	साइबर फिजिकल एम्बेडेड सिस्टम	21	21	100
	माप और विश्लेषण IoT के लिए	8	8	100
	ऑप्टो नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स	39	3	9100
	माइक्रो सेंसर और एक्ट्यूएटर	33	33	100
	वायरलेस नेटवर्क	34	34	100
	साइबर सुरक्षा	68	68	100
	प्रकृति - जलवायु परिवर्तन	49.0	45.0	91.8
	बायोइन्फॉर्मेटिक्स	21	20	95.2
	योग्यता और तर्क	153	153	100
	उन्नत संचार कौशल	19	19	100
	संचालन गणित	32	32	100
	समकालीन गांधी	97	97	100
	व्यक्तिगत विकास कार्यक्रम	42	42	100
	उद्यमिता और स्टार्टअप	30.0	30.0	100.0
मानसून 2019 (AY 2019: UG 1 - Sem 1)	कंप्यूटर प्रोग्रामिंग	268	263	98.1
	कंप्यूटर का अवलोकन	268	263	98.1
	डिजिटल लॉजिक डिजाइन	268	247	92.2
	असतत गणित और संभावना सिद्धांत	268	263	98.1
	संचार कौशल-	268	267	99.6
मानसून 2019 (AY 2018: UG2 - Sem 3)	ऑब्जेक्ट ओरिएंटेड प्रोग्रामिंग	252	246	97.6
	उन्नत डेटा संरचनाएं और एल्गोरिदम	191	183.0	95.8
	डाटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम	191	188	98.4
	कंप्यूटर संगठन और सिस्टम	191	190	99.5
	कंट्रोल सिस्टम	63.00	61.00	96.80
	एम्बेडेड और इंटेलिजेंट सिस्टम	63	61	96.8
	सर्किट और नेटवर्क विश्लेषण	63	56	88.9
	संचार कौशल-3	252.0	252.0	100.0

सत्र	विषयों	नामांकित छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	पास प्रतिशत
मानसून 2019 (AY 2017: UG3 - Sem 5)	सेवा उन्मुख अनुप्रयोग विकास	157	157	100
	कृत्रिम बुद्धि	157	155	98.7
	गणना का सिद्धांत	157	151	96.2
	डिजिटल संचार प्रणाली	52	52	100.0
	इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स और ट्रांसमिशन लाइनें	52	50	96.2
	वीएलएसआई का परिचय	52	52	100.0
	सूचना पुनः प्राप्ति	65	65	100.0
	कंप्यूटर ग्राफिक्स और मल्टीमीडिया	17	17	100.0
	पैटर्न मान्यता	52	52	100.0
	डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग	57	51	89.5
	नेटवर्क ऑप्टिमाइज़ेशन	21	20	95.2
	अंतर समीकरण	118	109	92.4
	सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण	13	13	100.0
	साइबर सुरक्षा का परिचय	80	77	96.3
	ऊर्जा और पर्यावरण विज्ञान	75	75	100.0
	जैव प्रौद्योगिकी और जैव रसायन	25	24	96.0
	उद्यमिता और स्टार्टअप	58.00	57.00	98.3
	योग्यता और तर्क	209.00	209.00	100.0
मानसून 2019 (AY 2016: UG4 - Sem 7)	कंट्रोल सिस्टम	36	35	97.2
	वीएलएसआई	9	9	100.0
	कंप्यूटर ग्राफिक्स और मल्टीमीडिया	28	28	100.0
	पैटर्न मान्यता	7	7	100.0
	डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग	6	2	33.3
	नेटवर्क ऑप्टिमाइज़ेशन	25	25	100.0
	साइबर सुरक्षा का परिचय	14	14	100.0
	अंतर समीकरण	103	96	93.2
	सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण	16	16	100.0
	ऊर्जा और पर्यावरण विज्ञान	53	51	96.2
	बायोइन्फॉर्मेटिक्स	52	49	94.2
	उन्नत संचार कौशल	82	78	95.1
	आईटी प्रोजेक्ट मैनेजमेंट	66	66	100.0
	फिल्म की सराहना	119	119	100.0
	आर एल	10	10	100.0
	बीटीपी2	138	138	100.0
	एच ओ एन	11	11	100.0
	आईए एआईएमएल	10	10	100.0

5.प्लेसमेंट और इंटर्नशिप (ग्रीष्म इंटर्नशिप और सेमेस्टर की परियोजनाएं)

5.1 इंटर्नशिपः

इंटर्नशिप किसी क्षेत्र अथवा विषय में प्रायोगिक अनुभव प्रदान करते हुए शैक्षणिक तथा कैरियर विकास संभावनाएं है। वे निर्मित, लघु अवधि, पर्यवेक्षी प्लेसमेंट होती हैं जो अकसर किसी विशिष्ट कार्य अथवा परिभाषित समय के साथ परियोजनाएं होती हैं। कोई इंटर्नशिप प्रतिपूर्ति, गैर–प्रतिपूर्ति अथवा कई बार भुगतान सहित हो सकती हैं। इंटर्नशिप अर्थपूर्ण और इंटर्न एवं संगठन के लिए परिसर लाभदायक होनी चाहिए।

आईआईआईटी श्री सिटी में प्लेटमेंट सेल पंजीकृत सभी प्लेसमेंट छात्रों को उनके ग्रीष्म एवं 8वें सेमेस्टर के दौरान इंटर्नशिप कार्यक्रम हेतु प्रोत्साहित एवं उसका अवसर प्रदान करता है।

5.2 कैंपस प्लेटमेंट:

कैंपस प्लेटमेंट छात्रों को कार्यक्रम के अध्ययन के दौरान अथवा उसका पूरा होने के चरण में नौकरी प्रदान करने हेतु शैक्षिक संस्थानों के भीतर संचालित कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में उद्योग कॉलेज में छात्रों का उनकी कार्य, क्षमता, फोकस और लक्ष्य के आधार पर चयन हेतु दौरा करते हैं।

आईआईआईटी श्री सिटी कई वर्षों से कैंपस प्लेटमेंट में अत्यधिक शानदार प्रदर्शन करता रहा है। आमतौर पर आईआईआईटी श्री सिटी द्वारा प्रदत्त विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए प्लेटमेंट की प्रक्रिया प्रत्येक वर्ष सितंबर में आरंभ होती है।

आईआईआईटी श्री सिटी के प्लेटमेंट का पहला चरण सितंबर के पहले सप्ताह में आरंभ होता है। सर्वोच्च कंपनियां छात्रों की भर्ती के लिए आईआईआईटी श्री सिटी के परिसर का दौरा करती हैं और छात्रों को सर्वोच्च राष्ट्रीय कंपनियों में नौकरियों के प्रस्ताव किए जाते हैं। इसी दौरान ये कंपनियां छात्रों को आकर्षक वेतन पैकेज का प्रस्ताव करती है। संस्थान का औसत प्लेसमेंट प्रतिशत 70–90 प्रतिशत रहता है।

आईआईआईटी श्रीसिटी का दौरा करने वाली कुछ उत्कृष्ट कंपनियां हैं अमेजोन, इन्फोसिस, फिनसोल, एलएंडटी, वैल्यू मोमेंटम, वाया.कॉम, सीए टेकनोलोजीस, ईएंडवाई, हनीवेल, एचएसबीसी, मिकलिन टायर्स, पेपाल, टीसीएस, सिस्को, हुडई मोबिस, कोटुरएआई, सोरोको, इन्नोवेसर, जेडएस एशोसिएटस।

2015–19 बैच–प्लेटमेंट का विवरण		
क्रं. सं.	प्लेमेंट का आंकड़े (ऑन–कैंपस)	संख्या
1	छात्रों की कुल संख्या	103
2	कैंपस प्लेटमेंट के लिए रुचि दर्शाने वाले छात्रों की संख्या	70
3	नियोजित किए गए छात्रों की संख्या	54 (77.14%)
4	प्राप्त उच्च अध्ययन अवसरों की संख्या	8
5	प्राप्त अधिकतम वेतन	19.5 एलपीए
6	औसत वेतन	7.6 एलपीए
7	नौकरी प्रस्तावों की कुल संख्या	58
8	उद्यमियों की संख्या	शून्य

6. छात्रवृत्तियां और पुरस्कार

संकाय सदस्यों और छात्रों द्वारा उपलब्धियां: डॉ. प्रेरणा मुखर्जी, सीएसई की सहायक प्रोफेसर उन 20 युवा वैज्ञानिकों में से एक हैं जिन्होंने 6–8 नवंबर 2019 को रिओ डी जानीरो में आयोजित 4थे ब्रिक्स 2019 युवा वैज्ञानिक कंक्लेव के भाग के रूप में अंतर्राष्ट्रीय मंच में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने साइबरसुरक्षा के विषय पर एक वार्ता प्रदान की जिसमें उन्होंने साइबर सुरक्षा में कैरियन की संभावनाओं, साइबर सुरक्षा में कैरियर के लिए प्रमुख कौशल, भारत में अवरस्नातक तथा स्नातक स्तरों पर साइबर सुरक्षा के संवर्धन हेतु भारत में पहलें और शोध अभियान के बारे में विचार विमर्श किया। उन्होंने अवरस्नातक छात्रों में साइबरसुरक्षा में शोध कैरियर अपनाने के लिए रूची का संवर्धन हेतु आईआईआईटी श्रीसिटी द्वारा किए गए प्रयासों को भी उजागर किया। डॉ. प्रेरणा मुखर्जी ने एक काउंसलिंग सत्र साक्षात्कार रिकार्डिंग से डिप्रेशन सेवेरिटी का पता लगाने के लिए एक सिस्टम के निर्माण हेतु आईबीएम रिसर्च इंडिया के एक शोधकर्ता डॉ अनुपमा रे और दो यूजी छात्रों सिद्वर्थ कुमार और रूत्विक रेड्डी विजल के साथ एक टीम का गठन किया। इस टीम ने नीस, फ्रांस में 21 अक्तूबर 2019 को आयोजित 27वें एसीएम अंतर्राष्ट्रीय मल्टीमीडिया सम्मेलन में 9वीं आडियो विजुअल इमोशन चैलेंज वर्कशाप में भाग लिया और उसे जीता।

सजल अग्रवाल, सीएसई अंतिम वर्ष के छात्र ने सितंबर 2019 में लोवा स्टेट यूनिवर्सिटी में साइबर–एग्रीकल्चर सिस्टम के लिए दूसरी अंतर्राष्ट्रीय मशीन लर्निंग कार्यशाला (एमएलसीएएस 2019) के भाग के रूप में संचालित सोरगम हैड डिटेक्शन चैलेंज जीता। स चुनौती का लक्ष्य यूएवी इमेज से सोरगम हैड का पता लगाने में अत्याधुनिक प्रगति के लिए नई मशीन लर्निंग पहल की पहचान करना था। क्प रो इमेज से सोरगम हैडस का पता लगाना इन फार्मों के लिए

यील्ड का अनुमान लगाने में सहायक होगा। आंध्र प्रदेश में आयल पाम क लिए आवश्यक जल के संबंध में एक स्टेटिक मोबाइल एप्प लूशांक कांचेरला, आईआईआईटी श्रीसिआी के द्वितीय वर्ष के छात्र द्वारा आईसीएआर–इंडियन इंस्टीटयूअ ऑफ आयल पाम, पेडंवेगी, एपी के सहयोग से तैयार की गयी है। इस मोबाइल को 3 सितंबर 2019 को आईसीएआर–इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ पाम रिसर्च, पेडावेगी में जल शक्ती अभियान के रूप में जारी किया गया था। इस एप्प का लक्ष्य किसी दिन अथवा सप्ताह अथवा माह के लिए आयल पाम पौधों के लिए आवश्यक जल की वास्तविक मात्रा के संबंध में सूचना देते हुए जागरूकता पैदा करना है।

7. छात्र विकास गतिविधियां (एसडीसी)

7.1 एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी):

पहला ईबीएसबी दिवस का आयोजन भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, श्रीसिटी के परिसर में 24 जनवरी 2020 को किया गया था जो उत्तर प्रदेश का राज्य दिवस भी था। यह कार्यक्रम छात्रों के लिए एक पंतग उड़ाने के इवेंट के साथ आरंभ हुआ। पतंग उड़ाना उत्तर प्रदेश एक नियमित प्रथा है। इसे हमारे संस्थान में उजागर करने का प्रयास किया गया। छात्रों की प्रेरणा और उत्साह प्रोत्साहनकारी थे।

डॉ. शिव राम दूबे, एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकाय समन्वयक (नोडल व्यक्ति) ने अपने उद्घाटन भाषण में छात्रों सांस्कृतिक एकता के महत्व और आवश्यकता के बारे में बताया तथा भारत की एकता में राज्यों के बीच संपर्क में इसकी भूमिका को उजागर किया।

इसके पश्चात उत्तर प्रदेश के बारे में एक डाक्यूमेंटरी प्रस्तुत की गयी। छात्रों को राज्य के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानने का अवसर प्राप्त हुआ। इसमें इसका भूगोल, साहित्य, राजनीति इत्यादि शामिल था। डाक्यूमेंटरी के बाद श्री दवप्रिया तुला और श्री वैभव महेश्वरी (दोनों तीसरे वर्ष बी.टेक के छात्र) ने गाना प्रस्तुत किया। इस गाने का शीर्षक उत्तरप्रदेश में घरों में आम राधा कृष्ण की कहानी था।

इवेंट में विशेषकर उत्तर प्रदेश के साहित्यिक पहलु पर ध्यान केन्द्रित किया गया। श्री केतन लम्बत (यूजी2) महान कवियों पर प्रकाश डाला जो विभिन्न पीढ़ियों से इस धरा पर उत्पन्न हुए हैं। कुछ प्रख्यात नामों में तुलसी दास, आमीर खुसरो और हरीवंश राय बच्चन शामिल हैं। छात्रों के साथ उनके लेखन की प्रकृति और उपलब्धियों को साझा किया गया। हमारी योजनाओं के अनुसार उत्तर प्रदेश से एक महान व्यक्तित्व के बारे में भी कार्यक्रम में वार्ता की गयी। छात्रों को

रानी लक्ष्मीबाई और ब्रिटिश से उनके संघर्ष के बारे में बताया गया जोकि स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्र के संघर्ष में एक मील का पत्थर थी। श्रोताओं को देखते हुए मूवी मसान का प्रसारण किया गया और छात्रों के लिए उत्तर प्रदेश में आम आदमी के जीवन को समझने का यह एक सर्वोत्तम प्रयास था। श्रोतओं ने इस चलचित्र का भरपूर आनंद लिया।

7.2 खेल गतिविधियां

7.2.1नेशनल इंटीग्रेशन मैराथनः

संस्थान ने स्थानीय उद्योगों, संस्थाओं और स्थानीय समुदाय के साथ नेटवर्किंग का संवर्धन करने के लिए एक नई पहल आरंभ की। 30 जनवरी, 2019 (महात्मा गांधी की पुण्यतिथि) को काफी उत्साह के साथ व्यापार शहर में एक नए वार्षिक इवेंट नेशनल इंटीग्रेशन मैराथन का आयोजन किया गया। चूंकि यह भारत के महान सपूत को श्रृद्धांजलि के रूप में महात्मा गांधी 150वीं वर्षगाँठ का प्रतीक था और राष्ट्रीय एकता एवं युवा ऊर्जा के संदेश को प्रसारित करने के लिए इस इवेंट का आयोजन आईआईआईटी–श्री सिटी (आईआईआईटी–एस), वित्तीय प्रबंधन एवं शोध संस्थान (आईएफएमआर) तथा श्री सिटी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। आईआईआईटी श्री सिटी, केआरईए विश्वविद्यालय, श्री सिटी कंपनियों और उन्नत भारत अभियान के तहत अपनाए गए युवाओं की कुल 700 सदस्यों ने इस इवेंट में भाग लिया। इस इवेंट को श्री सिटी में और उसके आसपास के हजारों लोगों द्वारा देखा गया।

7.2.2 एनएसए

श्री सिटी फाउंडेशन के सहयोग से 21 जून, 2019 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। इस दिन आईआईआईटी श्री सिटी के छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने श्री सिटी में विभिन्न कंपनियों तथा श्री सिटी के आसपास ग्रामवासियों के साथ योग किया।

7.2.3 इम्पेक्ट

संस्थान से स्नातक होने वाले छात्रों का प्रत्येक बैच अच्छी नौकरी और उच्चाध्ययन के अवसर तलाशेगा। यह एक संतोषजनक क्षण होगा जबकि परिसर को छोड़ते हुए सभी स्नातक छात्र उस उपलब्धि को हासिल कर सकें जिनकी वह आशा रखते हैं।

यद्यपि समग्र तैयारी क्रमशः बेहतर है, संस्थान द्वारा यह प्रदर्शित किया जाना अभी बाकी है कि छात्र कुछ सर्वोच्च आईआईआईटी के मुकाबले अच्छी नौकरियों प्राप्त कर पाएंगे। व्यैक्तिक स्तर पर महबूती और सुधार के क्षेत्रों पर एक चरणबद्व दृष्टिकोण से ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। यह मुख्यतः लक्षित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कैरियर दिशानिर्देशों के लिए वैयक्तिक मेंटरिंग पर ध्यान केन्द्रित करता है।

सौभाग्यवश, हमारे यहां उत्कृष्ट संकाय सदस्य हैं जिन्होंने अग्रणी विश्वविद्यालयों से अपनी शिक्षा प्राप्त की है और उनमें से कुछ का महत्वपूर्ण उद्योग अनुभव है। किसी अन्य तुलनीय संस्थान के पास यह अनन्य लाभ नहीं है जिसको शिक्षण–अधिगम और शोध में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। वे नौकयिों और उच्च अध्ययन से सफलता को संकाय के रूप में उनकी भूमिका का अभिन्न अंग मानते हैं।

आईआईआईटी श्रीसिटी यह घोषणा करते हुए प्रसन्न है कि संकाय सदस्यों ने एक नए मेंटरशिप कार्यक्रम **इम्पेक्ट** के प्रति अपनी प्रतिबद्वता दर्शायी है। इस कार्यक्रम के तहत छात्रों के एक समूह को व्यापक दिशानिर्देशों के लिए प्रत्येक संकाय को सौंपा जाता है। वे छात्रों को दिशानिर्देश प्रदान करेंगे और छात्रों में आवश्यक कौशल को विकसित करने में सहायता प्रदान करेंगे तथा यह सुनिश्यित करेंगे कि उनके कैरियर के लक्ष्य हासिल हों।

इम्पेक्ट एक सेमी–स्ट्रक्चर्ड कार्यक्रम है। यह लक्ष्यों को निर्धारित करने, प्रगति को ट्रैक करने और प्रत्येक छात्र के लिए अंतिम परिणाम प्राप्त करने के लिए निर्मित किया गया है। प्रत्येक संकाय सदस्य प्रभाविता को हासिल करने के लिए विविध औपचारि–सह–अनौपचारिक दृष्टिकोण अपना सकता है।

संकाय सदस्य यह सुनिश्चित करते हुए साप्ताहिक आधार पर छात्रों के साथ नियमित संपर्क करेंगे कि इम्पेक्ट कार्यक्रम सफल हो और छात्रों की उत्कृष्टता प्राप्त करने में सहायता की जा सके।

इम्पेक्ट का लक्ष्य एक महत्वपूर्ण प्रभाव डालना है ताकि परिवर्तनकारी परिणाम प्राप्त हो सकें। विश्व में कई बड़ी चीजें एक छोटे तरीके से आरंभ की जा सकती हैं। हर व्यक्ति को बड़ी चीजें प्राप्त करते के लिए मिलकर कार्य करना चाहिए जो संस्थान की अधिक उंचाईयों तक ले जाएगा।

7.2.4 फैवराईट 25

स्लो लर्नरों के लिए सहायता

संस्थान का शिक्षण–अधिगम की गुणवत्ता में सुधार करने पर अत्यधिक जोर है ताकि छात्रों के लिए प्लेसमेंट और उच्च अध्ययन के मूल्यवान अवसर पैदा किए जा सकें। तथापि, सामाजिक–आर्थिक और ग्रामीण पृष्ठभूमि के कारण पहले वर्ष के छात्रों का एक वर्ग बाकी कक्षा के साथ नहीं चल पाता है। ऐसे छात्रों की सहायता करने के लिए विशेष प्रयास किए जाते हैं। पहला ऐसे छात्र जिनका कक्षा के निचले 25 प्रतिशत में निरंतर मूल्यांकन रहता है, उनकी पहचान की जाती है। ऐसे छात्रों की "फेवाराइट 25" नामक एक कार्यक्रम के माध्यम से परामर्श और सहायता की जाती है। संकाय सदस्य, छात्र, कर्मचारी और अन्य इन छात्रों की उनकी प्रदर्सन में सुधार हेतु स्वयंसेवी रूप से प्रयास करते हैं। इसके अतिरिक्त, सेमेस्टर की परीक्षाओं में अनुत्तीर्ण होने वाले छात्रों की सहायता के लिए फॉरमेटिव एसेसमेंट (एफए) आरंभ किया गया है। एफए के अंतर्गत छात्रों को अतिरिक्त कक्षाएं और परामर्श दिया जाता है तथा वे अगले सेमेस्टर आरंभ होने से पहले सभी निरंतर मूल्यांकन और अंतिम परीक्षा को पूरा करते हुए विषयों को उत्तीर्ण करते है। यह छात्रों की सक्षमता के अपेक्षित स्तर प्राप्त करने में सहायता प्रदान करता है जिससे वे वर्ष को ड्राप किए बगैर प्रौन्नत पाठ्यक्रम लेने हेतु पूरी तरह से तैयार हो जाते हैं।

8. लोग / मानव संसाधन

8.1 संकाय प्रोफाईल:

वर्तमान और भविष्य की भूगोलीय–सामाजिक–आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हम विश्व स्तरीय संकाय की भर्ती पर अत्यधिक जोर देते है जो कि शिक्षण एवं शोध क्षेत्रों में मजबूत हों। सभी संकाय सदस्य पोस्ट–डॉक्टोरल के न्यूनतम तीन वर्ष के अनुभव के साथ विश्व की महत्वपूर्ण संस्थाओं से पीएचडी धारी है और लगभग सभी का वैश्विक अनुभव है। उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों तथा सम्मेलन की कार्यवाहियों में लेख प्रकाशित किए हैं तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर विभिन्न कार्यशालाओं में भाग लिया / आयोजन किया है।

नम	पदनाम	क्षेत्र
डॉ. जी. कन्नाबिरन	निदेशक	सीएसई
डॉ. उमा गरिमेला	प्रोफ़ेसर	सीएसई
डॉ ऋषिकेश वेंकट रमन	एसोसिएट प्रोफ़ेसर	सीएसई
डॉ राजेंद्र प्रसादी	एसोसिएट प्रोफ़ेसर	सीएसई
डॉ विश्वनाथ पुलबाईगरी	एसोसिएट प्रोफ़ेसर	सीएसई
डॉ बालाजी रमण	एसोसिएट प्रोफ़ेसर	सीएसई
डॉ शिव राम दुबे	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
डॉ स्नेहासिस मुखर्जी	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड I)	सीएसई
डॉ ओडेलु वांगा	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड I)	सीएसई
डॉ तपस पंडित	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)	सीएसई
डॉ मृणमय घोराय	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)	सीएसई
डॉ. बालसुब्रमण्यम कंदस्वामी	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
डॉ प्रेरणा मुखर्जी	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
डॉ हिमांगशु सरमा	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
डॉ कंदिमल्ला दिव्यब्रम्हम	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड I)	ईसीई
डॉ राजा वर प्रसाद येर्रा	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड I)	ईसीई
डॉ अचिंत्य कुमार सरकार	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड I)	ईसीई
डॉ प्रियंका द्विवेदी	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)	ईसीई
डॉ ए कृष्णा चैतन्य	सहायक प्रोफेसर	ईसीई
डॉ अनीश चंद तुरलपति	सहायक प्रोफेसर	ईसीई
डॉ के शिव प्रसाद	सहायक प्रोफेसर	ईसीई
डॉ. ई.पॉल ब्रेनियर्ड	सहायक प्रोफेसर	ईसीई

डॉ रंगीत मित्र	सहायक प्रोफेसर	इसीइ
डॉ. मेनक ठाकुर	सहायक प्रोफेसर	गणित
सुश्री प्रसन्ना लक्ष्मी एम	लेक्चरर	गणित
श्री आर. सुंदर	लेक्चरर	इसीइ
डॉ अनील यागबथिना	कनिष्ठ लेक्चरर	अग्रेजी

8.2 विजिटिंग संकाय

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	संकाय का नाम
1	संगठन में संचार	डॉ. वी.एस.रामकृष्णन डॉ श्रीमती वेंकटलक्ष्मी डॉ. पी. आर.सुजाता प्रियदर्शिनी
2	इंटरनेट ऑफ थिंग्स	डॉ मुनेश सिंह (आईआईआईटीडीएम)
3	कंप्यूटर ग्राफिक्स एंड मल्टीमीडिया	डॉ प्रतीक शाही
4	थ्रेट इंटेलीजेंस	श्री चिन्मय मिश्रा श्री अवकाश कथिरिया
5	सॉफ्ट कंप्यूटिंग एंड इवोल्यूशनरी ऑफ एआई	डॉ मोनिदिपा दास
6	आईटी प्रोजेक्ट मैनेजमेंट	श्री जयदीप दास श्री शिवसुब्रमण्यम
7	इनोवेशन एंड एंटरप्रीनरशिप	श्री सतीश मेदापति
8	फाउंडेशन ऑफ ह्यूमन वैल्यूज	सुश्री क्रांति वाई.एस
9	बॉयोटेक्नोलॉजी	डॉ शैलथा रवि
10	इंटरोडक्शन टू साइबर सिक्यूरिटी	श्री मोहन राम डॉ हरीश रमानी
11	क्लाउड कंप्यूटिंग	डॉ श्रीधर डोमनाल
12	पर्सनल ग्रोथ प्रोग्राम	प्रो. नागरानी
13	कंटेमप्रोरी गांधी	श्री जी. प्रसन्ना
14	ऑपरेशन मैथमेटिक्स	श्रीमती श्रीवल्ली किरणमयी
15	एडवांस्ड कम्युनिकेशन स्किल्स	श्री केजिया हितेश
16	एप्टीट्यूड एंड रीजनिंग	श्रीमती शबाना
17	नेचर–क्लाइमेट चेंज	डॉ. योगानंद राव

8.3 कर्मचारी

नम	पदनाम
इवानी वीएसएसआर सोम्याजुलु	प्रबंध, रजिस्ट्रार कार्यालय
पी वी सोमेश्वर राव	सहायक प्रबंधक (लेखा)
के लालिन कुमार रेड्डी	सहायक प्रबंधक–एफ एंड ए
एस. ज्योति रानी	सहायक प्रबंधक, ईसी लैब
जी सिरी बाबू	सहायक प्रबंधक
उदियापुरम तुलसीदास	शारीरिक शिक्षा अनुदेशक
पी. श्रीहरि	प्रमुख, सुरक्षा और हाउसकीपींग
आर वेणु गोपाल	इंजीरियर, सिस्टम प्रशासन
विजय कुमार एस	इंजीनियर, सीएसई लैब
कोटेश्वरराव बी	इंजीनियर, सीएसई लैब
ए कोरियन	इंजीनियर, ईसी लैब
टी. सूर्यकिरन	प्रशासनिक सहायक
एम. सुरेश	ईसी लैब के लिए टयूटर
एम सुकीर्थी व्यास	सहायक–शैक्षिक
जी मुरलीकृष्णन	पुस्तकालय सहायक
एम. तिरिपालु	सहायक (लेखा)
डी सुनील	सहायक (एफएंडए)
पी नरेशो	वरिष्ठ प्रशिक्षु
आई रवि तेजा	वरिष्ठ प्रशिक्षु
जी.प्रसुना ओडुरु	रेसिडेंट वार्डन (बालिका छात्रावास)
जी. वैंकेया	अटेंडर
डी. भास्कर	सुपरवाइजर–हाउसकीपींग (ऑपरेशन और रखरखाव)
बी सुरेश	कार्यालय सहायक
एम.कार्तिक	प्रशिक्षु
सुप्रिया राजा	प्रशिक्षु
टी.जी.किरूबकरण	प्रशिक्षु
एन.महेश बाबू	प्रशिक्षु
टी. सुगन्या	हैल्पर
टी. नरेन्द्र	तकनीशियन
के.गिरि	इलेक्ट्रिशियन
के. मुनिरत्नम्मा	केयर टेकर – गर्ल्स हॉस्टल
के. कनकेश्वर राव	पलंबर

8.4 सलाहकार

नाम	पदनाम
प्रो. जी. वी. चालमी	सलाहकार (कैम्पस लाइफ)
जी एस योगानंद राव	बाहरी गतिविधियाँ
डी.हरि कृष्णम राजू	सलाहकार (प्रापण एवं परिवहन)
आर. सेल्वाराजु	प्रोजेक्ट मैनेजर
अभिनय इराला	वरिष्ठ प्रशिक्षण एवं नियोजन अधिकारी
एम मिचायेलू	प्रशिक्षण और नियुक्ति अधिकारी
डॉ.ए.पी.अरुणा	सलाहकार (अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता)

9. संस्थान की समितियां

9.1 आंतरिक शिकायत समिति

दिनांक 27.08.2019 के कार्यालय आदेश सं. आईआईआईटीएस/ आरओ/ 00/ आईसीसी/2019–20/02 के अनुसार "कार्य स्थल पर महिला का यौन शोषण (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013" के अनुसार कार्य स्थल पर महिलाओं के यौन शोषण रोकने के लिए मुद्दों को हल करने और शिकायतों हेतु निम्नलिखित आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया गया है:

- डॉ प्रेरणा मुखर्जी
  सहायक प्रोफेसर : पीठासीन अधिकारी
- प्रो. जी. वी. चलम
  सलाहकार–परिसर जीवन : सदस्य
- डॉ. ए.पी. अरूणा : सदस्य
  परामर्शदाता (शोध, नवाचार और उद्यमिता)
- श्रीमती प्रसन्ना लक्ष्मी एम
  लेकचरर (अनुबंध पर) : सदस्य
- श्रीमती– सुमति वेंकटेश
  चेयरपर्सन) कौशल ट्रस्ट) अन्ना नगर) चेन्नई और 40 : बाहय सदस्य

9.2 रैगिंग रोधी समिति

भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निदेशों के अनुसरण में संस्थान ने निम्नलिखित रैगिंग रोधी समितियों और कार्यालय आदेश सं. आईआईआईटीएस/आरओ/00/आईसीसी/ 2018–19/02, दिनांक 25.08.2018 के अनुसार तत्काल प्रभाव से प्रावधानों के कार्यान्वयन की निगरानी हेतु स्कवॉड का गठन किया है।

1. संस्थान स्तरीय रैगिंग रोधी समिनिः

- डा. पी. विश्वनाथ, एशोसिएट प्रोफेसर और प्रभारी रजिस्ट्रार -- अध्यक्ष
- डा. के. दिव्याब्राहमन,सदस्य
- डॉ. अनीष तुरलापती, सदस्य
- डॉ. मेनक ठाकुर, सदस्य
- सुश्री श्रीवल्ली किरनमयी, सदस्य
- डॉ जी. वी. चलम, सदस्य
- श्री तुलसीदास उडियापुरम, सदस्य
- श्री ईवीएसएसआर सोम्याजुलु, सदस्य
- श्री पी. श्रीहरी, सदस्य

2. संस्थान स्तरीय रैंगिंग रोधी स्कवॉडः
(समिति को 5–6 स्कवॉड में बांटा गया है)

- डा. पी. विश्वनाथ, एशोसिएट प्रोफेसर और प्रभारी रजिस्ट्रार -- अध्यक्ष
- डा. के. दिव्याब्राहमन,सदस्य
- डॉ. अनीष तुरलापती, सदस्य
- डॉ. मेनक ठाकुर, सदस्य
- सुश्री श्रीवल्ली किरनमयी, सदस्य
- संकाय सदस्य, सदस्य
- डॉ जी. वी. चलम, सदस्य
- श्री तुलसीदास उडियापुरम, सदस्य
- श्री ईवीएसएसआर सोम्याजुलु, सदस्य
- श्री पी. श्रीहरी, सदस्य
- सभी छात्रावासों के केयर टेकर, सदस्य

3. छात्रावास स्तरीय रैगिंग रोधी स्कवॉड (प्रत्येक छात्रावास के लिए एक):

- प्रत्येक छात्रावास के लिए वार्डन....संचालक
- छात्रावासों के सभी अन्य केयरटेकर, सदस्य
- डा. जी.वी. चलम, सदस्य
- श्री तुलसीदास उडीयापुरम, सदस्य
- श्री पी. श्रीहरी, सदस्य

9.3 शैक्षिक अनुशासन समिति

कार्यालय आदेश संख्या आईआईआईटीएस/अनुशासन समिति/2019/01/05, दिनांक 02.01.2019 के अनुसार छात्रों से संबंधित शैक्षिक दुर्व्यवहार के अनुशासनहीनता के मामलों के संचालन हेतु निम्नलिखित शैक्षिक अनुशासन समिति का गठन किया गया। यह अनुशासन समिति जब भी ऐसे मामले होते हैं तो उनमें जांच करेगी। यह समिति देखे गए अथवा सूचित किए गए मामलों के आधार पर जांच करेगी तथा डीन/निदेशक को की जाने वाली सिफारिश के साथ अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

- प्रो.राजेंद्र प्रसाद, संकाय सदस्य – अध्यक्ष
- प्रो. जी। वेंकट चल्लम, सलाहाकार कैंपस लाइफ – सदस्य सचिव
- प्रो. राजा वर प्रसाद, संकाय सदस्य – सदस्य
- प्रो. ऋषिकेश वी. रमन, संकाय सदस्य – सदस्य
- प्रो. प्रेरणा मुखर्जी, संकाय सदस्य – सदस्य

9.4 छात्रावास अनुशासन समिति

कार्यालय आदेश संख्या आईआईआईटीएस/अनुशासन समिति/2019/01/05, दिनांक 02.01.2019 के अनुसार छात्रों से संबंधित शैक्षिक दुर्व्यवहार के अनुशासनहीनता के मामलों के संचालन हेतु निम्नलिखित छात्रावास अनुशासन समिति का गठन किया गया। यह अनुशासन समिति जब भी ऐसे मामले होते हैं तो उनमें जांच करेगी। यह समिति देखे गए अथवा सूचित किए गए मामलों के आधार पर जांच करेगी तथा डीन/निदेशक को की जाने वाली सिफारिश के साथ अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

- प्रो. पी. विश्वनाथ, मुख्य वार्डन (छात्रावासों के संकाय प्रभारी) – अध्यक्ष
- प्रो. जी. वेंकट चल्लम, सलाहकार कैंप लाइफ – सदस्य सचिव
- श्री पी. रामचंद्र रेड्डी, हॉस्टल वार्डन (छात्र) – सदस्य
- श्रीमती श्रीवल्ली किरणमयी, महिला संकाय – सदस्य
- प्रो. दिव्य ब्रह्मम, संकाय सदस्य – सदस्य
- श्रीमती ओ. गनाना प्रसुना, हॉस्टल केयरटेकर (छात्रा) – सदस्य

10. शोध और विकास

शोध और विकासः

संस्थान को अक्तूबर 2018 से जून 2019 तक निधियन एजेंसियों डीएसटी, यूकेआईईआरआई, इंडो–ताईवान जीआईटीं/एमओएसटी, सीसीएंडबीटी, एमईआईटीवाई, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय से वृहत क्षेत्रों जैसे कि सेंसर, मल्टीहूपिंग एंव एनालिटिक्स–फॉर रियल–टाईम इंटनकनेक्शन आफ विपेज वेल्स (स्मार्ट विलेज वेल्स), सटीक संचालनरत सिलिंड्रिकल–कर्वड स्क्रीन के नजदीक डाइपोल एंटीना के रेडिएशन विशेषता के विश्लेषण के लिए हाइब्रिड पद्वति का विकास, डिजिटल ट्विन मॉडलिंग फॉत ऑटोमेशन, मेंटेनेंस एंड मॉनिटरिंग इन इंडस्ट्र 4.0 स्मार्ट फैक्ट्री, डेवलोपमेंट आफ डीप लर्निंग बेसड हेशिंग टेक्नीक फॉर इमेज रिट्रीवल, डिजाइन एंड फैब्रीकेशन आफ ऑटोनोमस पेसेंजर ड्रोन एंड रिसर्च ऑन इंडस्ट्री 4.0 रेडिनेस एसेसमेंट फॉर एसएमई (5 क्षेत्रः ऑटोमोटिव, फार्मा, कृषि मशीनरी, वस्त्र, और टेक्सटाईल तथा खाद्य प्रसंस्करण) से कुल 196.81 मूल्य की प्रायोजित शोध एवं परामर्शी परियोजनाएं प्राप्त हुई।

अक्तूबर, 2018 से जून, 2019 तक की अवधि के दौरान पीजी और यूजी छात्रों तथा उनके सहयोगियों के साथ संकाय के सदस्यों ने प्रभावशाली 25 जर्नल लेख प्रकाशित किए। इनमें अधिकांशतः एलसीवियर, आईईईई ट्रांजिक्सन, जर्नल ऑफ सेमी–कंडक्टर डिवाइसेस, सोलर एनर्जी, स्प्रिंजर, एसएई मोबिलिटी इंजीनियरिंग और जर्नल ऑफ बिजनेस परफॉर्मेंस तथा सप्लाई चैन मॉडलिंग जैसे अंतर्राष्ट्रीय जर्नल प्रकाशन शामिल है। उल्लेखनीय रूप से संकाय सदस्यों और छात्रों ने इस अवधि के दौरान 48 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुतियां प्रस्तुत की। इसके अतिरिक्त, एक अत्यधिक संगत विषय "माइनिंग इंटेलीजेंस एंड नॉलेज एक्सप्लोरेशन" संबंधी एक संपादक पुस्तक कंप्यूटर संबंधी लेक्चर नोट (एलएनसीएस), स्प्रिंजर में प्रकाशित की गई है।

शोध एवं विकास में प्रगतिः मुख्य निधियन एजेंसियों द्वारा दो परियोजनाएं स्वीकृत की गयीं। (1) डीएसटी कोर द्वारा बायोमेडिकल ईईजी का विश्लेषण (2019-21), अनवेषक– डॉ. अनीष चंद तुरलापती और डॉ. शिव राम दूबे (35 लाख) (2) बायो इन्सपायर्ड ऑटोनोमस सर्फेस वहीकल का डिजाइन और विकास (एएसवी), नेवल रिसर्च बोर्ड (2020-2022) अनवेष्क : डॉ. ऋषिकेश वेंकटरमन और डॉ. एस.आर. पंडियन, आईईआईटीडीएम कांचीपुरम (46 लाख)। इसके अतिरिक्त, समीक्षाधीन अवधि के दौरा कुल 16 जर्नल प्रकाशन और 28 सम्मेलन प्रकाशन प्रकाशित/प्रस्तुत किए गए। एसएमई के लिए इंडसट्री 4.0 पर परियोजना के भाग के रूप में दो कार्यशालाओं (चेन्नई और पुणे) का आयोजन किया गया।

10.1 शोध प्रकाशन

जर्नलों में प्रकाशन

- एच. वेंकटरमन, एस. नारायनस्वामी, और एस. चक्रवर्ती, ''रियल–टाइम पोथेल डिटेक्शन'', एसएई मोबिलिटी इंजीरियरिंग मैगजीन, खंड 6, संख्या2, जून 2019
- ए. साई चरन, एन जसवंत, आर असफाग और एच. वेंक्रमन '' चालक की चालन योग्यता की निगरानी में ट्रैफिक संबंधी कारकों और वाहन वातावरण का विश्लेषण'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम रिसर्च, स्प्रिंजर, पृ. 1 & 11 अगस्त 2019
- वंगा ओडेलू, सौरव शाह, राजेन्द्र प्रसाद, लक्ष्मीनारायण सडीनेनी, मुरोकोंटी, मिन्हो जो, ''वायरलैस बॉडी नेटवर्क, कम्प्यूटर और सुरक्षाक की सक्षमता'' जर्नल, एल्सीवियन साईंस, खंड 83, पृष्ठ 300–312 जून 2019
- यू.के. सिंह, आर. मित्रा, वी. भाटिया और ए.के. मिश्रा ''रेडार सिस्टम के लिए केरेनेल एलएमएस आधारित आकलन तकनीक'' एयरोस्पेस और इलेक्ट्रानिक्स सिस्टम पर आईईईई लेनदेन, खंड 55, संख्या 5, अक्तूबर 2019
- यू.के. सिंह, आर. मित्रा, वी. भाटिया और ए.के. मिश्रा, '' गैर–गुसियन कलटर में गैर रेखीय अनुमान के आधार पर केरेनेल ईष्टतम कोनट्रोपी का प्रयोग करते हुए रेंज और वेलोसिटी'' एयरोस्पेस और इलेक्ट्रानिक्स सिस्टम पर आईईईई लेनदेन, अक्तूबर 2019
- एस.जैन, आर. मित्रा और वी. भाटिया ''केएलएमएस–डीएफई आधारित एडाप्टिव पोस्टडिसऑर्डर फॉर विजिबल लाईट कम्यूनिकेशन'' आप्टिक्स कम्यूनिकेशनस, खंड 451, पृष्ठ 353–360, नवंबर 2019
- एस.आर. दूबे, एस. चक्रवर्ती, एस.के. रॉय, एस. मुखर्जी, एस.के.सिंह और बी.बी. चौधरी ''डिफग्रेडः आप्टिमाइजेशान मेथड फॉर कोनवोलूशनल न्यूरल नेटवर्कस'' आईईईई न्यूरल नेटवर्कस और लर्निंग सिस्टमस ट्रांजेक्शन दिसंबर 2019 डीओआईः 10.1109/टीएनएनएलएस.2019.2955777. (स्वीकृत)
- एस.आर.दूबे ''लोकल डायरेक्शनल रिलेशन पैटर्न फॉर अनकंस्टरेंड एंड रोबस्ट फेस रिटरिवल'' मल्टीमीडिया टूल्स एंड एप्लीकेशनस, खंड 78, संख्या 19, पृ. 28063–28088 अक्तूबर 2019 (स्प्रिंजर)
- एस.आर. दूबे, एस.के. रॉय, एस. चक्रवर्ती, एस. मुखर्जी और बी.बी.चौधरी '' लोकल बिट–प्लेन डिकोडिड कोरवोलूशनल न्यूरल नेटवर्क फीचर्स फॉर बायोमेडिकल इमेज रिटरिवल'' न्यूरल कॅप्यूटिंग एंड एप्लीकेशनस, जून 2019 डीओआई :10.1007/00521-019-04279-6. (स्वीकृत) (स्प्रिंजर)
- एस.आर. दूबे ''फेस रिटरीवल यूजिंग फ्रीक्वेंसी डिकोडिड लोकल डिस्क्रीप्शन'' मल्टीमीडिया टूल्स एंड एप्लीकेशनस, खंड 78, संख्या 12, पृ. 16411–16431 जून 2019 (स्प्रिंजर)
- एस.के.रॉय, एस. आर. दूबे और बी.बी. चौधरी ''लोकल जिग जेग मद्यैक्स हिस्टोग्राम ऑफ पूलिंग पैटर्न फॉर टेक्सचर क्लासीफीकेशन'' आईईटी इलेक्ट्रानिक्स लेटर्स खंड 55 संख्या 7 पृ 382–384 अप्रैल 2019
- पी. वुडुमला और शिव कोटमराजू ''इफेक्ट आफ टेम्प्रेचर ऑन द इलेक्ट्रीकल

केरेकटरस्टिकस आफ एन/पी टाइप जंक्शन लेस एफईटीःफिजिक्स आधारित सिमुलेशन'' मेटिरियल साईंस फोरम खंड 963 पृ. 679–682, 2019

- पी. वुडूमला, श्रीवेली किनमयी और शिव कोटमराजू ''इम्प्रूवड ऑक्साईड फील्ड एंड स्विचिंग परफोर्मेंस ऑबटेंड इन कूलसिक टरेंच एमओएसएफइ।टी बाई इनकोरपोरेटिंग सुपर जंक्शन कंसेप्ट'' सेमीकंडक्टर साईंस एंड टेकनोलोजी खंड 34, 015010, 2019

- शिव कोटमराजू, एम. सुक्रीती, ईपीसुरेश और एम. शंकरन ''स्टडी आफ डिग्रेडेशन इन आईएनजीएपी/आईएनजीएएएस/जीई मल्टी जंकशन सोलर सेल केरेक्टरिस्टिकस डयू टू इराडिएशन इन्डयूसड डीप लेवल टरेप यूजिंग फाईनाईट एलीमेंट एलानिसिस'' सोलर एनर्जी खंड 178, पृ. 215–221, 2019
- शिव कोटमराजू, एम. श्रीक्रीति और ईपी सुरेश ''मॉडलिंग आफ आईएनजीएपी/आईएनजीएएएस–जीएएएसपी/जी ई मल्टी क्वांटम वेल सोलर सेल टू इम्प्रूव एफीसिएंसी फॉर स्पेस एप्लीकेशनस'' सोलर एनर्जी खंड 178 पृ. 215'221, 2019
- शिव कोटमराजू, एम. सुक्रीती और ईपी सुरेश ''
- शिव कोटमराजू और पी.वुडुमला ''इम्प्रूवड डिवाईस केरेक्टरिस्टिक्स ऑब्टेन्ड यूजिंग नॉवल हाई के डाइइलेक्ट्रीकल स्टेक फॉर 4एच–एसआईसी एन–आईजीबीटीःएचएफ02–एसआई02.एआईएन'' मेटिरियल साईंस फोरम, खंड 963, पृ. 674–650, जुलाई 2019
- पी. वुडुमला और शिव कोटमराजू ''इफेक्ट आफ टेम्प्रेचर ऑन द इलेक्ट्रीकल केरेकटरस्टिकस आफ एन/पी टाइप जंक्शन लेस एफईटीःफिजिक्स आधारित सिमुलेशन'' मेटिरियल साईंस फोरम खंड 963 पृ. 679–682, 2019
- पवन वुडुमुला और शिव कोटमराजू ''डिजाइन एंड आप्टिमाइजेशान ऑफ 1.2 केवी एसआईसी प्लानर इन्वर्सन एमओएसएफईटी यूजिंग स्पिलट डमी गेट कंसेप्ट फॉर हाई फ्रीक्वेंसी एप्लेकेशनस'' आईईईई ट्रांजेक्शन ऑन इलेक्ट्रोन डिवाइसिस खंड 99, नवंबर 2019
- ए. साई चरन, एस.वी. जलापेल्ली और एच.वेंकटरमन ''रोड पैरामीटर बेसड ड्राइवर असिस्टेंस स्सिटम फॉर सेफ ड्राईविंग'' एसएई इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कनेक्टिड एंड ऑटोमेटिड व्हीकल्स 2(4), पृ. 253-262, जनवरी 2020
- एच. वेंकटरमन और के.एल. हर्षिनि '' डुअल प्रायोरिटीः रियल टाईम एंड इंटिग्रेटिड डिवाइस एंड नेटवर्क–सेंट्रिक वायरलैस नेटवर्क सेलेक्शन'' आईईटी कम्यूनिकेशनस मार्च 2020
- एस.के. रॉय, एस.आर. दूबे, एस. चटर्जी और बी.बी. चौधरी एफयूजड स्कवीज एंड एक्साइटेशन नेटवर्क फॉर स्पेक्ट्रल स्पाशियल हाइपरस्पेक्ट्रल इमेज क्लासीफीकेशन, आईईटी इमेज प्रोसेसिंग माच 2020 डीओआई:10.1049/आईईटी–आईपीआर 2019.1462. (स्वीकृत)
- एस.आर. दूबे और एस.मुखर्जी ''एलडीओपीःलोकल डारेकशनल ऑर्डर पैटर्न फॉर रोबस्ट फेस रिट्रीवल'' मल्टीमीडिया टूल्स एंड एप्लीकेशनस खंड79 पृ. 6363–6382 मार्च 2020 (स्प्रिंजर)
- एस.के.रॉय, जी. कृष्ण, एस.आर. दूबे और बी.बी. चौधरी ''हाईब्रिडएसएनः एक्सपलोरिंग 3डी–2डी सीएनएन फीचर हीआरची फॉर हाइपरस्पेक्ट्ररल इमेज क्लासीफीकेशन''

आईईईई जीओसाईंस एंड रिमोट सेंसिंग लेटर्स खंड 17 संख्या2 पृ. 277–281, फरवरी 2020

- एस. बाषा, एस.आर.दूबे. वी पुलाबाईगरी और एस. मुखर्जी, ''इम्पेक्ट आफ फुल्ली कनेकटिड लेयर्स ऑन परफोरमेंस आफ कानवोलूशनल न्यूरल नेटवर्क फार इमेज क्लासीफीकेशन'' न्यूरोकम्प्यूटिंग, खंड 378, पृ. 112–119, फरवरी 2020 (एल्सीवियर)
- एस.के.रॉय, बी.चंदा, बी.बी. चौधरी, डी.के.घोष और एस.आर. दूबे, ''लोकल जेट पैटर्न:ए रोबस्ट डिस्क्रीपटर फॉर टेक्सचर क्लासीफीकेशन'' मल्टीमीडिया टूल्स एंड एप्लीकेशनस, खंड 79, पृ. 4783–4809, फरवरी 2020 (स्प्रिंजर)
- एस.के. रॉय, डी.के. घोष, एस.आर. दूबे, एस. भट्टाचार्य और बी.बी. चौधरी ''अनकंस्ट्रेंड टेक्सचर क्लासीफीकेशन यूजिंग एफीसिएंट जेट टेक्सटोन लर्निंग'' एप्लाईड साफट कम्प्यूटिंग, खंड 86, पृ 105910 जनवरी 2020 (एल्सीवीयर)
- एस. बनर्जी, एस. रॉय, वी. ओडमलू, ए.के. दास, एस. चट्टोपाध्याय, जॉय जे.पीसी. रोड्रिक्स और वी.एच. पार्क ''मल्टी–अर्थाट्री सीपी–एबीई–बेसड एनानिमस यूजर एक्सेस कंट्रोल स्कीम विद कोंसटेंट साईज की एंड साईफरटेक्सट फॉर आईओटी डिप्लॉयमेंट'' इन जर्नल आफ इन्फोरमेशन सिक्यूरिटी एंड एप्लीकेशनस (एल्सीवियर), अगस्त 2020.

10.2 सम्मेलन की कार्रवाही / प्रस्तुतियां

- ए. नागसवती, ए.सी. तुरलापती और बी. गोकराजू, ''एसवीएम बेसड क्लासीफीकेशन आफ एसईएमजी सिग्नलस यूजिंग टाइम डोमेन फीचर्स फॉर द एप्लीकशनस टूवर्डस आम्र एक्सोस्केलेटनस'' एआईआर 26:1-26:5, 2019
- ए. साई चरन, आर. असफाल्ग और एच. वेंकटरमन ''इंटीग्रेशन आफ हेड एंड आई ट्रेकिंग फॉर ड्राईवर मॉनिटरिंग इन व्हेकुलर एनवायरमेंट'' 15वां वल्ड कान्फ्रेंस ऑन ट्रांसपोर्ट रिसर्च (डब्लयूसीटीआर), मुम्बई, भारत 29 – 31 मई 2019
- के. महेश्वरी, चौ. मोनिका के. हर्षिता और एच. केंकटरमन, ''सेंसर फयूजन–बेसड पोथेल डिटेक्शन इन इंडियन रोडस'' पोस्टर, तीसरा अंतर्राष्ट्रीय साईबर फिजिकल सिस्टमस संगोष्ठी, आईआईएससी बंगलौर 15 - 16 जुलाई 2019
- ए. रे, एस. कुमार, आर. रेड्डी, पी.मुखर्जी और आर. गर्ग, ''मल्टी–स्तरीय एटेंशन नेटवर्क यूजिंग टेक्सट, ऑडियो एड विडियो फॉर डिप्रेशन प्रिडिक्शन'', एवीईसी अंतर्राष्ट्रीय मल्टीमीडिया सम्मेलन (एमएम) पृ. 81-88, अक्तूबर 2019
- चरीता आर, कल्पना पी और राजा वरा प्रसाद ''इंडिग्रेटिड फ्रेमवर्क फॉर फार्मर सेंट्रिक एग्रीकल्चर यूजिंग आईओटी आर्चिटेक्चर्स'' आईईईई एएनटीएस गोवा भारत 16-19 दिसंबर 2019
- पुरषोत्तम, बी.आर. वीना थोनडियार और राजेनद्र प्रसाद, माइनिंग इंटेलीजेंस एंड नॉलेज एक्सपलोरेशन–7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एमआईकेई 2019 गोवा, भारत दिसंबर 19-22, 2019
- एस. जैन, आर. मित्रा और वी. भाटिया, ''मल्टीवेरिएट–केएलएमएस बेसड पोस्ट–डिटोरटर फॉर नॉनलिनियर आरजीबी–एलईडी फॉर कलर शिफट कीयइंग वीएलसी'' आईईईई पीआइएमआरसी इस्तानबुल, तुर्की, सितंबर 2019
- यू. के. सिंह, आर. मित्रा, वी. भाटिया और ए.के. मिश्रा, ''वेक्टर–वैल्यूड केएलएमएस बेसड मल्टीपल टार्गेट रेंज एंड वेलोसिटी एस्टीमेशन यूजिंग आईईईई 802.11पी

वेवफार्म फॉर ऑटोनोमस व्हीकल्स'' आईईईई एएनटीएस, गोवा, भारत, दिसंबर 2019

- आर. मित्रा एट अल, ''लो कम्पलेक्सिटी केरेनल–एमएसईआर बेसड इक्विलाइजर फॉर क्रॉसटॉक मिटगिैशन इन मल्टीकोर फाइबर कम्यूनिकेशन'' आईईईई एएनटीएस गोवा, भारत, दिसंबर 2019
- ए. यिंह, ए. गर्ग, जे. झोउ, एस.आर दूबे और डी दत्ता ''एनएएसआईबीः न्यूरल आर्चिटेक्चर सर्च विदिन बजट'' न्यूरलपीएस मेटा लर्निंग कार्यशाला (मेटालर्न), वेंकुवर, कनाडा, दिसंबर 2019
- वाई. श्रीवास्तव, वी. मुराली और एस.आर. दूबे, ''ए परफोर्मेस कम्पेरिजन ऑफ लॉस फंक्शनस फॉर डीप फेस रिकोग्निशन'', 7वां कम्प्यूटर विजन, पैटर्न पहचान, इमेज प्रसंस्करण और ग्राफिक्स सम्मेलन (एनसीवीपीआरआईपीजी), भारत, दिसंबर 2019
- वी. के. रेपाला और एस.आर. दूबे,''डुअल सीएनएन मॉडल्स फॉर अनसुपरवाईजड डेप्थ एस्टीमेशन'' 8वां अंतर्राष्ट्रीय पैटर्न पहचार और मशीन इंटेलीजेंस सम्मेलन(पीआरईएमआई), भारत, दिसंबर 2019
- वाई. श्रीवास्तव, वी. मुरली और एस.आर. दूबे, ''पीएसनेटः पैरामीट्रिक सिगमोईड नॉर्म बेसड सीएनएन फॉर फेस रिकोग्निशन'' तीसरा आईईईई सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी सम्मेलन (सीआईसीटी), आईआईआईटी इलाहबाद, भारत, दिसंबर 2019
- के.वी.एस. विनीत, वाई.आर.वी. प्रसाद, एस.आर. दूबे, और एच. वेंकटरमन, ''एलईडीसीओएमः एक नॉवल एंड एफीसिएंट एलईडी बेसड कम्यूनिकेशन फॉर प्रीसीसन एग्रीकल्चर'' तीसरा आईईईई सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी सम्मेलन (सीआईसीटी), आईआईआईटी इलाहबाद, भारत, दिसंबर 2019
- एस.पी. तेजा रेड्डी, एसऋटी कारी, एस. आर. दूबे और एस. मुखर्जी, ''स्पोनटेनियस फेसियल माइक्रो– एक्सप्रेशन रिकोग्निशन यूजिंग 3डी स्पाशिओ टेम्पोरल कोरवोलूशनल न्यूरल नेटवर्कस'' आईईईई न्यूरल नेटवर्क सम्मेलन (आईजेसीएनएन), बुडापेस्ट, हंगरी, जुलाई 2019
- सी. नागपाल और एस.आर. दूबे, ''ए परफोर्मेस इवेल्यूशन आफ कोनवोलूशनल न्यूरल नेटवर्कस फॉर ेस एंटी स्पूफिंग'', आईईईई अंतराष्ट्रीय न्यूरल नेटवर्क सम्मेलन (आईजेसीएनएन), बुडापेस्ट, हंगरी, जुलाई 2019.
- आर. के. ठाकुर और एस. मुखर्जी, ए कंडीशनल एडवर्सीयल नेटवर्क फॉर सीन फलो एस्टीमेशन, प्रोक आफ आईईईई आरओ–एमएएन, नई दिल्ली, भारत, अक्तूबर 2019
- सी.एस. वोरूगंटी और विश्वनाथ पी, ''एन इंटरप्रेटेबल इंडिक आप्टिकल केरेक्टर रिकोग्निशन थ्रू डोमेन एडाप्शन एंड डिस्क्रिमिनेटिव लोकेलाईजेशन बेसड टेकनीक'' आईडीसी–2019, नौंवा आईडीआरबीटी डॉटोरल कोलोक्यूइम, आईडीआरबीटी, हैदराबाद, दिसंबर 2019
- सी.एस. वोरगुंटी, पी. मुखर्जी और विश्वनाथ पी ''ए नॉवल एचएल–ओएसवी डाटोमट एंड डेपथवाइज सेपेरेबल सीएनएन बेसड ऑनलाईन सिग्नेचर वेरीफीकेशन'' 5वां अंतर्राष्ट्रीय दस्तावेज विश्लेषण एवं मान्यता सम्मेलन (आईसीडीएआर 2019), पृ 21-23, सिडनी, आस्ट्रेलिया, सितंबर 2019.
- सी.एस. वोरगुंटी, पी. मुखर्जी और विश्वनाथ पी ''ए लाईट वेट एंड हाइब्रिड डीप लर्निंग मॉडल बेसड ऑनलाईन सिग्नेचर वेरीफीकेशन '', 5वां अंतर्राष्ट्रीय दस्तावेज विश्लेषण एवं

मान्यता सम्मेलन (आईसीडीएआर 2019)

- सी.एस. वोरगुंटी, पी. मुखर्जी और विश्वनाथ पी "ऑनलाईन सिग्नेचर वेरीफीकेशन बाई फयू शॉट सेपेरेबल कोनवोलूशन बेसड डीप लर्निंग", 5वां अंतर्राष्ट्रीय दस्तावेज विश्लेषण एवं मान्यता सम्मेलन (आईसीडीएआर 2019)
- वी. शेखर, पी. मुखर्जी, डी.एस. गुरू, विश्वनाथ पी, "ओएसवीनेटः कोनवोलूशनल सिआमीस नेटवर्क फॉर राइटर इंडीपेंडेंट ऑनलाईन सिग्नेचर वेरीफीकेशान", ओएसवीनेटः 5वां अंतर्राष्ट्रीय दस्तावेज विश्लेषण एवं मान्यता सम्मेलन (आईसीडीएआर 2019)
- सी.एस. वोरगुंटी, एस. चक्रवर्ती, विश्वनाथ पी, "इंडियन लेंगवेज आफ्किल केरेक्टर रिकोग्निशन थ्रू भारती स्क्रिप्त बेसड डीप कोनवोलुशनल न्यूरल नेटवर्कस'' भाषा और कार्यशालाख सीवीपीआर, लॉग बीच,यूएसए, मई 2019
- आर. अवीनाश और विश्वनाथ पी "सीमेटिंक सेगमेंटेशन आफ सेटेलाईट इमेज यूजिंग मॉडीफाईड सीएनएन विद हार्ड–स्विश एक्टीवेशन फंक्शन'' 14वां अंतर्राष्ट्रीय कम्प्यूटर विजन, इमेजिंग और कम्प्यूटर ग्राफिक्स थ्योरी एवं प्रयोग–खंड 4:वीआईएसएपीपी, 413-420, प्राग, चेक गणराज्य 2019
- के महेश्वरी, चौ. मोनिका, के. हर्षिता और एच. वेंकटरमन, ''पीओटीसेंसः पोथेल डिटेक्शन ऑन इंडियन रोडस यूजिंग स्मार्टफोन सेंसर्स'', एसीएम ऑटोनोमस एंड इंटेलीजेंट मोबाईल सिस्टमस (एआईएमएस), आईईईई / एसीएम सीओएमएसएनईटीएस, 8 - 11 जनवरी 2020
- सी.एस. वोरगुंटी, पी. मुखर्जी, और विश्वनाथ पी "ऑनलाईन सिग्नेचर प्रोफाइलिंग यूजिंग जनरेटिव एडवर्सयिल नेटवर्कस, ग्रेज्यूएट फोरम, 12वां अंतर्राष्ट्रीय संचार प्रणाली एवं नेटवर्क सम्मेलन (सीओएमएसएनईटीएस), पृ.:894-896, जनवरी 2020.

10.3 प्रायोजित परियोजनाएं

- डॉ. अनीश चंद तुरलापती (पीआई)- डॉ. शिव राम दूबे, डॉ. बलकृष्ण गोकराजू, द यूनिवर्सिटी आफ वेस्ट अलबामा (सह–पीआई)- एसईआरबी–सीआरजी–''ईएमजी नेटःडेवलोपमेंट आफ डीप लर्निंग बेसड मॉडल फॉर हैंड मूवमेंटस क्लासीफीकेशन यूजिंग सर्फेस ईएमजीसिग्नलस–रूपए 34,06,558-4- फरवरी-20-3-फरवरी-22
- डॉ. शिव राम दूबे–एसईआरबी–ईसीआर–''डेवलोपमेंट आफ इमेज रिट्रीवल मेथड फॉर बायोमेडिकल एंड हेल्थ इन्फोरमेटिक्स–''रूपए 18,52,330-27-जुलाई-17-26-जुलाई-20
- डॉ. शिव राम दूबे–ताईवान पार्टनर–प्रो. वी–ता चू, नेशनल चुंग चेंग यूनिवर्सिटी, ताईवान–जीआईटीए–डीएसटी–टीडब्लयूएन–''डेवलोपमेंट ऑफ डीप लर्निंग बेसड हैसिंग टेकनीक फार इमेज रिट्रीवल'' रूपए 28,28,580 -19 फरवरी 2020-18 फरवरी 2023
- डॉ. हरीषकेश वेंकटरमन –डीएसटी–डीएएडी–इंडो–जर्मन–''ड्राइर्स ड्राईवरेबिलिटी मेजरमेंटस एंड रिकमेंडेशान फॉर एडाप्टिव सिस्टम कंट्रोल इन व्हीकल्स (स्मार्ट-व्हीकल्स)"- कुज परियोजना लागत–रूपए 10,26,000-30-जून-16 to 31-जुलाई-19
- डॉ. हरीषकेश वेंकटरमन - एसईआरबी – ईसीआर-"सीमलेस मल्टीहूप कम्यूनिकेशन फॉर रोड ट्रैफिक कंट्रोल इन वहीकुलर नेटवर्क (स्मार्ट–वीएएन)- कुल परियोजना लागत–रूपए 12,19,130-18-फरवरी-17-17-जनवरी-20
- डॉ. हरीषकेश वेंकटरमन–हेला–''कैमरा–बेसड लेन एंड रोड बाउंडरी डिटेकशन डयूरिंग

नाईट–टाईम ड्राईविंग'' रूपए 16,83,000-13-जुलाई-18-12-जुलाई-21

- डॉ. हरीषकेश वेंकटरमन (पीआई)- डॉ राजा वरा प्रसाद, डॉ. पी विश्वनाथ (सह–पीआई) डीएसटी–''सेंसर, मल्टी–हूपिंग एंड एनालिटिक्स फॉर रियल टाइम इंटरकनेक्शन आफ विपेज वेल्स (स्मार्ट विपेज वेल्स)"- रूपए 25,00,000-28-दिसंबर-18-27-दिसंबर-21
- डॉ हरीषकेश वेंकटरमन (पीआई), डॉ. राजा वरा प्रसाद (सह–पीआई)- डीएसटी–आईएनटी–यूके'' डिजिटल ट्विन मॉडलिंग फॉर ऑटोमेशन, मेनटेंनेंस एंड मॉनिटरिंग इन इंडसट्री 4.0 स्मार्ट फैक्ट्री''–रूपए 23,53,344-16-जुलाई-19-15-जुलाई-21
- डॉ. हरीषकेश वेंकटरमन (पीआई), डॉ. एस आर पंडियन, आईआईटीडीएम कांचीपुरम (सह–पीआई)- डीआरडीओ एनआरबी-"डिजाइन एंड डेवलोपमेंट ऑफ बायो इन्सपायर्ड नेटवर्क ऑफ ऑटोनोमस अंडरवाटर व्हीकल्स'' रूपए 46,88,605-7-फरवरी-20-6-मई-22
- डॉ. राजा वरा प्रसाद वाई–एमईआईटीवाई–सीसी और बीटी–''डिजाइन और फैब्रीकेशन ऑफ ऑटोनोमस पेसेंजर ड्रोन'' रूपए 36,18,000-26-जुलाई-19-25-जुलाई-22
- डॉ. कडीमाला दिव्यब्राहमिन–एसईआरबी–ईसीआर–''डेवलोपमेंट आफ हाइब्रिड मेथड टू एनालाइज द रेडिएशन केरेक्टरस्टीक्स आफ डाइपोल एंटीना नियर परफेक्टली कंडक्टिंग सिलिंडिरिकली कवर्ड स्क्रीन'' रूपए 41,40,400-26-मार्च-19-25-मार्च-22
- डॉ. स्नेहासीश मुखर्जी–एसईआरबी–ईसीआर–––स्मार्ट सर्विलिएंस बेसड रिकोग्निशन एंड प्रीडिक्शन आफ ऑनगोइंग इवेंटस इन विडियोस यूजिंग डेथ्थ इन्फोरमेशन'' कुल परियोजना लागत रूपए 15,57,090-21-सितंबर-16-20-सितंबर-19
- डॉ. शिवप्रसाद कोटमराजू–रेस्पोंड–इसरो–''डिजाइन, मॉडलिंग एंड सिमुलेशन आफ जीएएएस बेसड 111–वी सेमीकंडकटर मल्टी जंक्शन सॉलिड स्ट्रकचर फॉर स्पेस एप्लीकेशनस''–कुल परियोजना लागत रूपए 33,18,000-16-दिसंबर-16-15-दिसंबर-19

10.4 पेटेंट दायर करना

- एच. वेंकटरमन और ''अंजली पूर्णिमा के, ''सिस्टम एंड मेथड टू डिटेक्ट पोथेलस एंड ऑब्सटेकल्स ऑन रोड अंडर लो इल्यूमीनेशन'' भारत पेटेंट, दिनांक 19 नवंबर 2019 को दायर
- एच. वेंकटरमन और एस.वी. जलापेल्ली, ''सिस्टम एंड मेथड फॉर यिल–टाई कंट्रोल आफ स्पीड एंड पोजीशन'' भारत पेटेंट, दिनांक 16 दिसंबर 2019 को दायर

11. नवाचार और उद्यमिता विकास

नवाचार और उद्यमिता पर फोकसः आईआईआईटी श्रीसिटी का ई–प्रकोष्ठ ने नवाचार और उद्यमिता विकास सं संबंधित सभी गतिविधियों को औपचारिक रूप देने का महत्वपूर्ण कदम उठाया है। एक नया सत्र–शोध, नवाचार और उद्यमिता को सभी गतिविधियों के संचालन के लिए सृजित किया गया है। आईआईआईटी श्रीसिटी के ई–प्रकोष्ठ का औपचारत उद्घाटन 3 अक्तूबर 2019 को किया गया। *श्री गनपती वेनुगोपाल,* सह संस्थापक और सीईओ, ऑक्सिलर वेंचर्स, बंगालुंरू ने गतिविधियों का उद्घाटन किया और आईआईआईटी श्रीसिटी में ई–प्रकोष्ठ के सदस्यों को संस्थान को कुछ विशिष्ठ क्षेत्रों के लिए जाने जाना वाला बनने का सुझाव दिया,

संस्थान के भीतर अवसंरचना का निर्माण, उन संकाय से जुड़ना जिनका विशेषज्ञ क्षेत्र में अनुभव हो और समस्याओं का व्यवहार्य हल निकालने के लिए कारपोरेट जगत से संपर्क साधने का सुझाव दिया।

आईआईआईटी श्रीसिटी के ई–प्रकोष्ठ और नवाचारी प्रकोष्ठ ने 2–3 नवंबर 2019 को दो दिवसीय कार्यशाला आईडीएशन और प्रोटोटाइपिंग का आयोजन किया। इस कार्यशाला में *श्री डेरिक जोस,* सह संस्थापक मुख्य डाटा वैज्ञानिक फलुटूरा डिसीशन साईंसिस एंड एनालिटिक्स, बंगालुरू ने भाग लिया। इस कार्यशाला का उद्देश्य हल निकालने के लिए समस्याओं का पता लगाना और आंतरिक सृजनात्मक बाधाओं को दूर करना तथा इन्हें वास्तविक प्रोटोटाईप में लाना था। छात्रों की दस टीमों ने तीन वर्टिकल हेल्थकेयर, शिक्षा और कृषि में उच्च मूल्य की समस्याओं का पता लगाया। लगभग 10 घंटों में भरे जाने वाले लगभग 14 वर्कशीट टेम्पलेटस का प्रयोग करते हुए टीमों तीन पहलुओं समस्या, निवारण और व्यापार मॉडल को शामिल करते हुए 3 मिनिट की पिच के माध्यम से अपने परिणाम दर्शाए। छात्रों जॉब पोर्टल, मानसिक स्वास्थ्य के लिए क्लिनिकल काउंसलिंग, फार्म प्रश्न सेवा इत्यादि सहित व्यापार विचार प्रस्तुत किए।

12. अन्य गतिविधियां

12.1 दीक्षांत समारोह

संस्थान का पहला दीक्षांत समारोह 23 अप्रैल, 2019 को आयोजित किया गया। **श्री एम. वैंकेया नायडू, भारत के माननीय उप राष्ट्रपति** ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की भव्यता बढ़ाई और दीक्षांत समारोह भाषण दिया। 2017 और 2018 बैचों में कुल 135 यूजी छात्र स्नातक हुए तथा पहले एमएस छात्र ने अपनी डिग्रिया प्राप्त की। दीक्षांत समारोह में प्रो. यू.बी. देसाई, आईआईटी हैदराबाद के निदेशक (आईआईआईटी श्री सिटी के पूर्व मेंटर निदेशक), प्रो. पी.जे. नारायणन, आईआईआईटी हैदराबाद के निदेशक, प्रो. सत्यनारायण, निदेशक, आईआईटी तिरुपति और आंध्र प्रदेश के अधिकारियों ने भाग लिया।

श्री वैंकेया नायडू ने ईसीई और सीईसी विषयों में 2017 और 2018 में सर्वोच्च स्थान पाने वाले छात्रों अर्थात्, वर्षिता, कृतिकरण सिंह भारद्वाज, ऐश्वर्या और संतोषिनी रेड्डी, सभी की अनुपस्थिति में स्वर्ण पदक प्रदान किए। उनके अभिभावकों ने उनकी ओर से पदक प्राप्त किए।

श्री सिटी कंपनियों के सीईओ और वरिष्ठ एक्जीक्यूटिव, भागीदारों, विजिटिंग संकाय सदस्यों और अन्यों सहित लगभग 500 आमंत्रितों ने कार्यक्रम में भाग लिया। दीक्षांत समारोह संबोधन के भाग रूप में भारत के उप राष्ट्रपति ने प्रथम पांच वर्षों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त करने के लिए संस्थान बधाई दी। अन्य में उन्होंने संस्थान की स्मार्ट शहर केंद्र की स्थापना करने और ग्रामीण विकास के समर्थन हेतु उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत पांच गांव को अपनाने के लिए संस्थान की सराहना की।

2017 में स्नातक होने वाला बैच – छात्र विवरण

- स्नातक होने वाले कुल छात्रः 53
  - कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में ऑनर्स के साथ बी.टेकः 02
  - इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग में ऑनर्स के साथ बी.टेकः 05
  - कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में बी.टेकः 28
  - इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग में बी.टेकः 18

2018 में स्नातक होने वाला बैच – छात्र विवरण

- स्नातक होने वाले कुल छात्रः 83
  - कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में ऑनर्स के साथ बी.टेकः 11
  - इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग में ऑनर्स के साथ बी.टेकः 11
  - कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में बी.टेकः 32
  - इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग में बी.टेकः 28
  - कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में शोध द्वारा एमएसः 01

2018 में स्नातक होने वाला बैच – छात्र विवरण

- स्नातक होने वाले कुल छात्रः 83
  - कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में ऑनर्स के साथ बी.टेकः 11
  - इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग में ऑनर्स के साथ बी.टेकः 11
  - कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में बी.टेकः 32
  - इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग में बी.टेकः 28
  - कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में शोध द्वारा एमएसः 01

12.2 अतिथि लेक्चर

कार्यशालाएं

एआई शिक्षा और शोध के संबंध में एमएचआरडी सम्मेलन 04 जुलाई 2019: इस सम्मेलन का आयोजन आईआईटीस, आईआईएससी, एनआईटीस और आईआईआईटीस की भागीदारी के साथ 4 जुलाई 2019 को आईआईटी दिल्ली में किया गया था। इस सम्मेलन का उद्देश्य वर्तमान स्थिति का आकलन करना और भारत को एआई तथा संबद्व प्रौद्योगिकीयों में अग्रणी के रूप में स्थापित करने के लिए कार्य योजनाएं बनाना था। आईआईआईटी श्री सिटी को एआई शिक्षा के संबंध में विचार विमर्शों का नेतृत्व करने के लिए चुना गया था। सत्र के परिणामों के आधार पर डॉ. जी. कन्नाबिरन, आईआईआईटी श्रीसिटी के निदेशक ने मुख्य पहलुओं को शामिल करते हुए एक प्रस्तूति प्रस्तुत कीः (1) संस्थागत स्तरीय अवसंरचना के लिए निधियन (2) भवन एवं परीक्षण कार्यों के लिए आंकडों को उपलब्ध करवाना (3) पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम, संसाधन और विशेषज्ञों के लिए केन्द्रीकृत पोर्टल (4) राष्ट्र स्तरीय संकाय विकास कार्यक्रम (5) एआई और मशीन लर्निंग में एम.टेक कार्यक्रम (6) उद्योग सहयोग को सुकर बनाने के लिए नीति स्तरीय हस्तक्षेप (7) पाठ्यचर्या डिजाइन और डिलीवरी के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग हेतु सहायता (8) एआई शिक्षा पहलों के लिए आईआईटी, एनआईटी, आईआईआईटीस को शामिल करते हुए मुख्य समिति और (9) संस्थाओं के बीच साझा की गई सर्वोत्तम पद्वतियों के लिए वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन और त्रैमासिक क्षेत्रीय कार्यशालाएं।

भारतीय डाटा सुरक्षा परिषद के साथ एमओए (एक नेसकॉम सीओई): आईआईआईटी श्रीसिटी द्वारा एक एमओए के माध्यम से नेसकॉम द्वारा स्थापित किए जाने के लिए भारतीय डाटा सुरक्षा परिषद डीएससीआई की साइबर सुरक्षा में संयुक्त शैक्षिक एवं शोध कार्यक्रमों के संचाालन हेतु स्थापना की गयी है। यह एमओए शैक्षिक वर्ष 2019–20 से आईआईआईटी श्रीसिटी द्वारा आरंभ किए जा रहे साइबर सुरक्षा में नई बीटेक विशेषज्ञता की सहायता के लिए है। यह एमओए 4 वर्ष की अवधि के लिए वैध है और इसे हैकाथन, कौशल निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम, सहयोगी परियोजनाओं, बाजार शोध तथा साइबर सुरक्षा पर कार्यशालाओं तथा

विभिन्न डीएससीआई पहलों में निजता प्रबंधन जैसे कि कौशल निर्माण, साईबर उद्योग सुरक्षा निर्माण और तथा इसी प्रकार के अन्य कार्यक्रम शामिल होंगे।

एआई मशीन लर्निंग संबंधी कार्यशाला 8–9 नवंबर 2019: आईआईआईटी श्रीसिटी ने शैक्षिक वर्ष 2019–20 से बीटेक सीएसई कार्यक्रम के तहत एआई और मशीन लर्निंग में एक नया यूजी विशेषज्ञता कार्यक्रम आरंभ किया है। इसमें छात्र तीसरें और चौथे वर्षों में कुल 20 क्रेडिट के लिए चार पाठ्यक्रमों और एक सेमेस्टर की परियोजना करेंगे। पाठ्यक्रमों में एआई, एमएल, डीप लर्निंग, रिइन्फोर्समेंट लर्निंग और एआईएमएल के औद्योगिक एप्लीकेशन शामिल है। इस विशेषज्ञता के भाग के रूप में बंगालुरू में 8–9 नवंबर 2019 को एआई और एमएल के औद्योगिकी एप्लीकेशनस पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य भाषण डॉ. मनीष गुप्ता, निदेशक गूगल रिसर्च इंडिया द्वारा दिया गया और अन्य वक्ता आईबीएम, इंटेल, एबीबी, स्विगी, फलूटुरा इत्यादि से थे। कार्यशाला में सफल एआई आधारित स्टार्टअप द्वारा उनके अनुभव साझा करने हेतु प्रस्तूतियां भी प्रस्तूत की गयीं। संकाय सदस्यों और चुने गए छात्रों ने कार्यशाला में भाग लिया।

साईबर सुरक्षा संबंधी कार्यशाला 24 नवंबर 2019:

आईआईआईटी श्रीसिटी में हमारी साईबर सुरक्षा में यूजी–संचालित शैक्षिक और शोध/नवाचारी कार्यक्रमों पर ध्यान केन्द्रित करने की योजना है। हमने इस वर्ष एक कार्यशाला का आयोजन किया है और साईबर सुरक्षा संबंधी पाठ्यक्रम आरंभ कर रहे हैं। छात्रों के लाभार्थ डीएससीआई के सहयोग से 24 नवंबर 2019 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। एसेंचर, अरनेस्ट एंड यंग, इन्फोसिस के वरिष्ठ विशेषज्ञ और एनवाईयू दुबई परिसर में साईबर सुरक्षा निदेशक ने कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला के भाग के रूप में एक प्रायोगिक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के परिणामों को साईबर सुरक्षा के संबंध में विशेषज्ञता के तहत पाठ्यक्रमों को डिजाइन करने में प्रयोग किया जाता है।

छात्र परिषद और कलबों का गठन: शिक्षणेतर गतिविधियां और बाहय गतिविधियां अधिगम तथा समग्र विकास का समेकित भाग होती हैं। पहली बार छात्र परिषद का गठन किया जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कलबों का प्रतिनिधित्व करने वाले चार एक्जिक्यूटिव सदस्य शामिल थे नामतः तकनीकी सचिव, सांस्कृतिक सचिव, सामाजिक सचिव और खेल सचिव। चार प्रकार के कलब हैं: तकनीकी कलबः ग्रेडिएंट–प्रोग्रामिंग कलब, एआई–एमएल कलब, रोबोटिक्स कलब, डाटा साईंस कलब, आईओटी कलब, साईबर सुरक्षा कलब, आईओटीए–परियोजना कलब और ई–प्रकोष्ठ। सांस्कृतिक कलबः डांस कलब, संगीत कलब, कला और डिजाइन कलब, साहित्य और थिएटर कलब, फोटोग्राफी कलब और फिल्म कलब, सामाजिक कलबः प्रकृति कलब, होप इलाईट एनएसएस तथा फेवराईट 25 (प्रथम वर्ष के धीमे सीखने वाले छात्रों कीं मेंटरिंग के लिए कलब)। खेल कलबः फुटबाल कलब, बास्केट बाल कलब, क्रिकेट कलब, थ्रोबाल कलब और इंडोर खेल कलब। प्रत्येक छात्र को कम से कम प्रत्येक प्रकार के एक कलब का सदस्य बनने के लिए प्रेरित किया जाता है। सकाय सदस्यों के मेंटरशिप में कई गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

इरिक्सन रिसर्च चेन्नई में कार्यशाला 01 नवंबर 2019: यह कार्यशाला इरिक्सन रिसर्च की सहायता से एआई और एमएल के औद्योगिक प्रयोगों के संबंध में पाठ्यक्रम के भाग के रूप में आयोजित की गयी थी। इस कार्यशाला कार्यान्वयन पहलुओं के प्रदर्शन के माध्यम से विभिन्न प्रयोगों के संबंध में इरिक्सन के शोधकर्ताओं द्वारा छः सत्र शामिल थे। छात्रों को भी विशिष्ट एप्लीकेशन क्षेत्रों में एक माह की मिनि परियोजनाएं दी गईं। इरिक्सन के साथ परस्पर लाभ के क्षेत्रों में सहयोग करने का प्रस्ताव है।

सामाजिक रूप से केन्द्रित तकनीकी शिक्षा संबंधी कार्यशाला 6–7 दिसंबर 2019: प्रौद्योगिकीय उन्नति को कई क्षेत्रों में वृद्वि का कारक माना जाता है जैसे कि विनिर्माण, बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं, स्वास्थ्यं देखभाल, कृषि, खुदरा इत्यादि। प्रौद्योगिकीय उन्नति भविष्य की पीढ़ी सहित समाज के कल्याण के लिए होनी चाहिए। इस पृष्ठभूमि को देखते हुए आईआईआईटी श्रीसिटी ने एनआईटीटीटीआर चेन्नई के सहयोग से एनआईटीटीटीआर परिसर में *सामाजिक रूप से संगत तकनीकी शिक्षा–सयहोग उन्मुखी कार्यों का पता लगाना* संबंधी 2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस महत्वपूर्ण कार्यशाला ने प्रौद्योगिकी–समाज को प्राप्त करने में जटिलताओं को समझने का अवसर प्रदान किया और तकनीकी शिक्षा प्रणाली के प्रशासकों और शिक्षकों के लिए कार्य योग्य रणनीति का प्रस्ताव करने का अवसर प्रदान किया। इस कार्यशाला का उद्घाटन प्रो. अनिल डी सहस्त्रबुद्वे, अध्यक्ष, अखलि भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा किया गया और इसमें उद्योग जगत, सामाजिक विज्ञान और सफल सामाजिक केन्द्रित स्टार्टअप के प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ शामिल थे। श्री श्री रवि शंकर, आर्ट आफ लिविंग के संस्थापक द्वारा एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। आईआईआईटी श्रीसिटी ने आईआईआईटी श्रीसिटी के बीटेक छात्रों के लिए औपचारिक पाठ्यक्रम ''व्यावसायिक कौशल कार्यक्रम'' के आयोजन हेतु एक समझौता ज्ञापन किया है।

आईआईआईटी के निदेशकों के लिए नेसकॉम सम्मेलन, 13 दिसंबर 2019: आईआईआईटी के समन्वय मंच तथा आईआईआईटी के परिषद एवं समन्वय मंच संबंधी स्थायी समिति (एससीसीएफ) में आईआईआईटी के अनन्य ब्रांड को सृजित करने का समर्पित लक्ष्य के प्रयास करने का निर्णय लिया गया। श्री देबजानी घोष, अध्यक्ष नेसकॉम और एससीसीएफ के सदस्य ने यह प्रस्ताव किया कि उद्योग जगत की प्रवृत्ति को समझने के लिए आईआईआईटी के शैक्षिक एवं शोध कार्यक्रमों को बेहतर तरीके से ढ़ालने के लिए रणनीति बनाने हेतु आवधिक रूप से आईटी उद्योग अग्रणियों एवे आईआईआईटी के निदेशकों के बीच बैठकें आयोजित की जानी चाहिएं। आईआईआईटी के समन्वय मंच के सचिव होने के नाते आईआईआईटी श्रीसिटी ने उद्योग–आईआईआईटी सम्मेलन का दिल्ली में आयोजन करने के लिए नेसकॉम के साथ समन्वय के प्रयास किए। श्री अजय साहनी, सचिव, एमईआईटीवाई द्वारा उदघाटित कार्यशाला में एडब्लयूएस, इरिक्सन, विप्रो और फिलपकार्ट के वरिष्ठ एक्जिक्यूटिवों द्वारा सत्र शामिल थे। प्रोद्योगिकीय प्रवृत्तियों पर प्रस्तूतियों के अतिरिक्त उद्योग और आईआईआईटी के बीच सहयोग बढ़ाने पर विचार विमर्श केन्द्रित किए गये। डॉ. राकेश सरवाल, अपर सचिव मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने विचार विमर्शों का नेतृत्व किया और यह सुझाव दिया कि प्रभावी सहयोग को प्राप्त करने के लिए एक वार्षिक कार्य योजना बनायी जाए। इस कार्यशाला में पीपीपी तथा सीएफटीआई मोड्स में निदेशकों द्वारा भाग लिया गया। हैदराबाद, बंगालुरू और दिल्ली स्थित

आईआईआईटी के निदेशकों को कार्यशाला के लिए आमंत्रित किया गया था।

राष्ट्रपति भवन में 14 दिसंबर 2019 को आयोजित तीसरा विजिटर सम्मेलनः इस सम्मेलन में आईआईआईटीस के निदेशकों, कन्द्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, एनआईपीईआरके निदेशकों इत्यादि ने भाग लिया। विचार विमर्श और प्रस्तूतियां छः उप–समूहों में आयोजित की गयीः शिक्षण एवं अधिगम, शोध, नवाचार तथा उद्यमिता का संवर्धन, विदेशी संकाय सहित रिक्तियों को भरना, अवसंरचना परियोजनाओं को पूरा करना और एल्यूमिनि निधियन और कार्यकलापों का सृजन। आईआईआईटी श्रीसिटी को शोध के संवर्धन के संबंध में विचार विमर्शों का नेतृत्व करने के लिए चुना गया। प्रो. जी. कन्नाबिरन की प्रस्तूती में प्रायोजित परियोजनाओं में सुधार करने, विद्ववत प्रकाशनों और सदस्य संस्थाओं में बौद्विक संपदा के सृजन पर ध्यान केन्द्रित किया गया। प्रस्तुती के भाग के रूप में पीपीपी पद्वति से आईआईआईटी के की विशिष्ट आवश्कताओं के संदर्भ भी उजागर किए गए।

12.3 समाज के प्रति उत्तरदायित्व–यूबीआई, एनएसएस

भविष्य के योग्य नवाचारक– स्कूली छात्रों के लिए ग्रीष्म शिविर :

संस्थान ने चेन्नई, तिरूपति, नेल्लौर तथा बंगलौर के 41 वरिष्ठ छात्रों के लिए 22 और 24 मई 2019 को भविष्य के योग्य नवाचारक (एफबीआई) नामक 3 दिवसीय शिविर का आयोजन किया। एफबीआई कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिविर में भाग लेने वाले विभिन्न छात्रों को कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग तथा इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार कार्यक्रमों से अवगत कराना और उन्हें सृजनात्मकता एवं नवाचार के प्रति प्रोत्साहित करना है।

एफबीआई में संकाय द्वारा उभरती हुई प्रौद्योगिकी पर लघु लेक्चर, उद्योग जगत के विशेषज्ञों द्वारा अतिथि लेक्चर, शोध विद्वानों द्वारा नवाचारी परियोजनाओं के प्रदर्शन, श्रीसिटी औद्योगिक एस्टेट का दौरा और एमएनसी का दौरा, सतीश धवन स्पेस सेंटर इस्रो का दौरा, आईआईटीएम के शोध पार्क के स्टार्ट अपस के साथ मेल मिलाप दौरा, और एआई तथा मशीन लर्निंग संबंध 2 स्तरीय प्रश्नमंच शामिल किए। छात्रों ने पुलीकट लेक से इरूकम द्वीपसमूह की बोट राईड की और खेलों के माध्यम से टीम निर्माण तथा नेतृत्व विकास में भाग लिया।

हिंदु वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, चेन्नई के कला सेंथिल ने कहा ''यह एक शानदान अनुभव था। पहली बार कक्षा 11 के छात्रों को रोबोटिक्स, साइबरसिक्यूरिटी और इंटरनेट ऑफ थिंग्स से परिचित करवाया गया। इससे छात्रों को अपने कैरियर को दिशा देने और शिक्षकें के लिए भी जानने का अवसर था। उन्होंने आगे यह स्वीकार किया कि रोबोटक्सि सीबीएसई की पाठ्यचर्या का भाग नहीं है और उनके लिए यह एक नया अनुभव था।

आईआईआईटी के निदेशक जी. कन्नाबिरन ने कहा कि इसका उद्देश्य कम्प्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स का परिदृश्य प्रदान करना और सृजनात्मकता तथा नवाचार को प्रोत्साहित करना है।

छात्र उन लोगों से मेल मिलाप कर सकते हैं जिन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के शोध पार्क के स्टार्टअप स्थापित किए हैं। इस कार्यशाला में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर एक प्रश्नमंच, मशीन लर्निंग और पुलीकट लेक में बोट यात्रा शामिल थे। मिनी रेडार, स्मार्ट विलेज वेल्स, पानी में वाहनों के बीच संचार, मोबाईल नियंत्रित रोबोट कार जैसे प्रोटोटाइप जिन्हें आईआईआईटी श्रीसिटी के शोध विद्वानों द्वारा तैयार किया गया था, को विशेष रूप से छात्रों के लिए प्रदर्शित किया गया।

डॉ कन्नाबिरन ने कहा कि अगले शिविर में 25 स्कूलों के छात्रों को आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ''आईआईआईटी श्रीसिटी की चुने हुए स्कूलों के प्राचायों के लिए नेतृत्व कार्यक्रम और वरिष्ठ विज्ञान शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण आयोजित करने की योजना है''।

उन्नत भारत अभियान के तहत कार्यकलाप जुलाई–दिसंबंर 2019:

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार के इस प्रमुख कार्यक्रम का संस्थान द्वारा कार्यान्वयन किया जा रहा है। आईआईआईटी श्री सिटी ने पांच गांव (अरुर, मल्लावरीपेलम (पूर्वी), रामचन्द्रपुरम, सिद्दमाग्रहरम और टोंडूर सोसाइटी) को अपनाया और एक समूह का गठन किया। इस कार्यक्रम के भाग के रूप में संस्थान ने पहले ही ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण सभी गांव के लिए पूरा कर लिया है। वर्तमान में इन गांव के लोगों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति का विश्लेषण करने के लिए घर–घर जाकर दौरा करते हुए आंकड़े इकट्ठे करने की प्रक्रिया जारी है।

2 अक्तूबर को महात्मा गांधी की 150वीं वर्षगांठ के आयोजन के लिए आईआईआईटी श्रीसिटी ने श्रीसिटी फाउंडेशन और एसआईएमएस हस्पताल की सहभागिता से उन्नत भारत अभियान के तहत अपनाए गए गांवों में एक मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया। 150 से अधिक नेशनल सोशन सर्विस के स्वयंसेवकों ने आईआईआईटी श्रीसिटी द्वारा संचालित कार्यक्रमों में भाग लिया। गांव में एक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। लगभग 170 लोगों को इकट्ठा किया गया और उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। प्लास्टिक को हटाने पर विशेष ध्यान देते हुए *गांव की सफाई* का कार्य किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामवासियों को प्लास्टिक का उपयोग न करने के प्रति प्रेरित करना था। सर्वप्रथम स्वंयसेवकों ने गांव से सारे प्लास्टिक हटाए। स्वयंसेवकों ने प्लास्टिक बैगों और कवर को जूट तथा कपडे के बैग के साथ बदला तथा 'प्लास्टिक मुक्त जोन' बनाया। इसके अतिरिक्त, ग्रामवासियों को प्लास्टिक का उपयोग करने के परिणामों तथा इसके दुष्प्रभावों के बारे में बताया जा रहा है।

मदिरा रोधी अभियानः– एनएसएस के स्वयंसेवकों ने मादक द्रव्यों के सेवन से कैसे परिवार और युवा बुरी तरह से प्रभावित होते हैं, के संबंध में एक मुक्था नाटक की रचना की। महिलाओं और बालिकाओं के मासिक धर्म संबंधी स्वास्थय के बारे में ''महिला स्वास्थ्य उत्पादों'' के बारे में शिक्षित किया गया जो उन्हें उनके दैनिक जीवन में घरेलू वातावरण प्रदान करता है। स्वंयसेवकों ने उन्हें सुरक्षा किट प्रदान की और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के महत्व को समझाया। स्वयंसेवकों ने गांव के लडकों और लडकियों के साथ कई खेल खेले और उन्हें पुरूस्कार प्रदान किए।

1. अपनाए गए गांव सिद्वमा अग्रहम, श्रीसिटी, चित्तूर में 12 अगस्त 2019 को स्वच्छता रैली और गांव सफाई का आयोजन किया गया।

2. 14 अगसत 2019 को रक्त दान शिविर

3. महात्मा गांधी का वृत चित्र:-

4. आईआईआईटी श्री सिटी कैंपस सफाई अभियान

5. पौध रोपण 15 अगस्त 2019

6. सडक सुरक्षा जागरूकता सप्ताह 25 से 29 सितंबर 2019

7. पर्यावरण की रक्षा हेतु पोस्टर बनाना और प्रदर्शित करना 28 सितंबर 2019

8. प्लास्टिक मुक्त अभियान

9. तंदूर सोसायटी गांव में 2 अक्तूबर 2019 को निःशुल्क चिकित्सा शिविर

10. मदिरा रोधी शिविर 2 अक्तूबर 2019

11. ग्रामीण खेल

13. वित्तीय का सारांश

आय और व्यय विवरण (वाई ओ वाई)

(लाख में रुपये)

आय	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
अकादमिक प्राप्तियां	463.56	798.29	1213.42	1701.93	2233.14
अनुदान/सब्सिडी	195.00	100.00	300.00	-	-
निवेश से आय	72.63	143.20	78.77	104.39	204.73
ब्याज अर्जित	-	-	36.18	0.40	2.75
अन्य आय	63.91	105.18	151.59	226.98	351.67
कुल (ए)	795.10	1,146.67	1779.96	2033.70	2792.29
व्यय					
स्टाफ भुगतान और लाभ (स्थापना व्यय)	173.22	270.02	422.32	521.40	489.32
अकादमिक खर्च	132.56	279.14	445.06	393.09	417.74
प्रशासनिक और सामान्य खर्च	271.44	297.82	540.53	395.14	355.75
परिवहन खर्च	60.73	69.40	123.90	52.99	47.10
मरम्मत और रखरखाव	27.77	53.05	75.04	60.48	87.76
अवमूल्यन	50.63	79.75	100.93	270.97	270.74
अवमूल्यन	-	5.56	39.63	3.68	48.34
कुल (बी)	716.35	1,054.74	1747.41	1697.75	1716.75
व्यय से अधिक आय (ए-बी)	78.75	91.93	32.55	335.95	1075.54

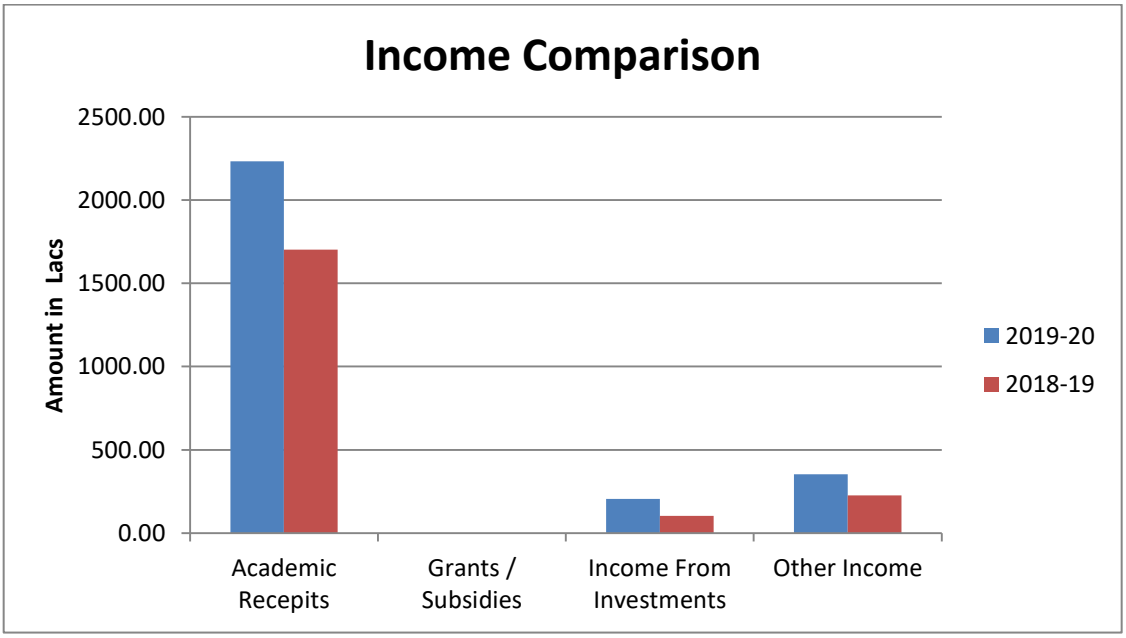

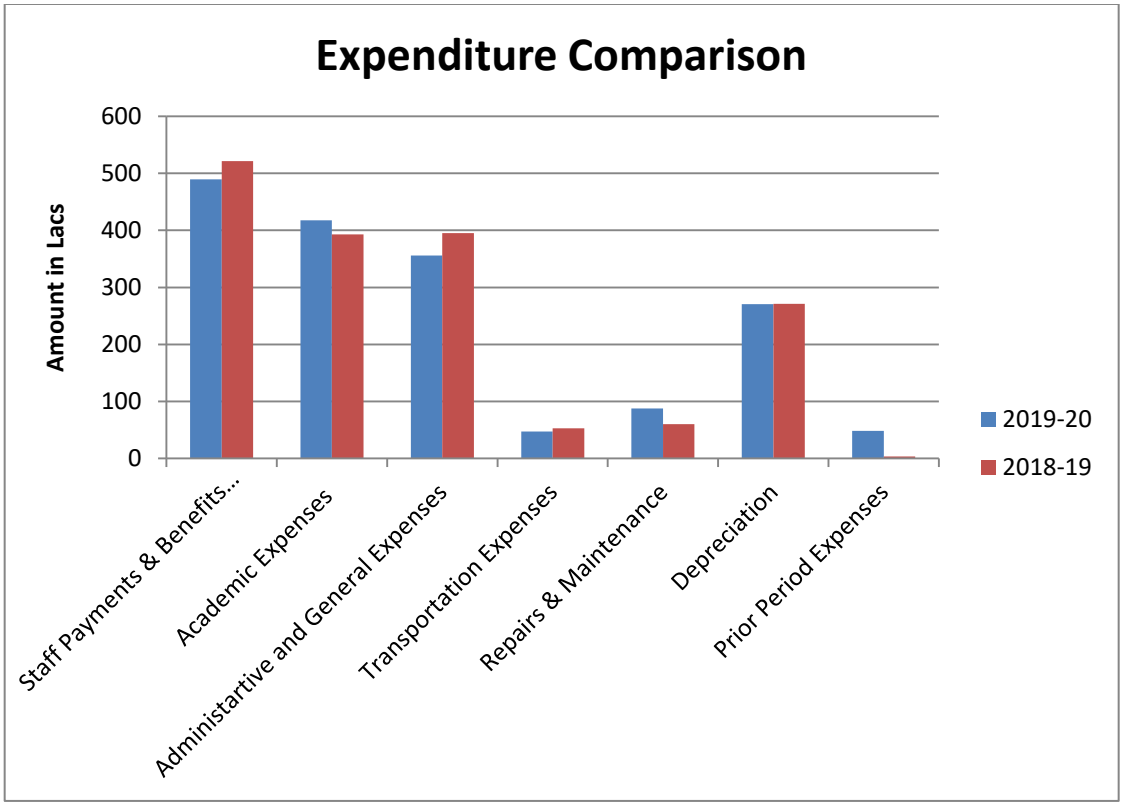
Expenditure Comparison
Amount in Lacs
600
500
400
300
200
100
0
Staff Payments & Benefits...
Academic Expenses
Administartive and General Expenses
Transportation Expenses
Repairs & Maintenance
Depreciation
Prior Period Expenses
2019-20
2018-19

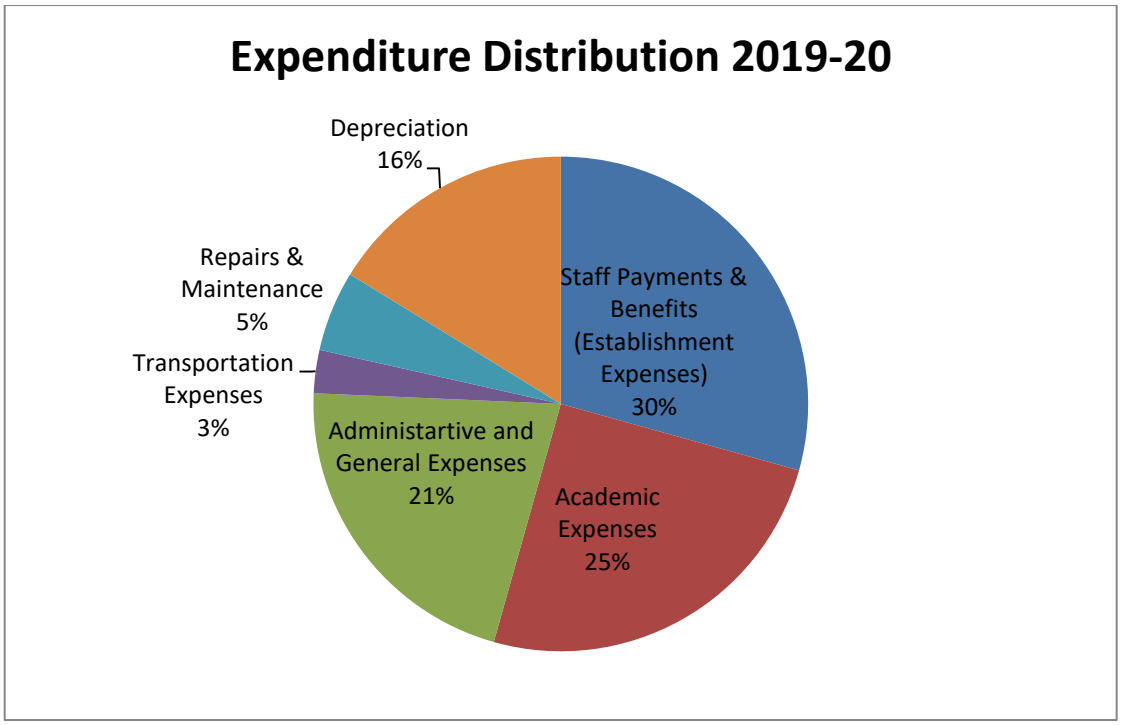
Expenditure Distribution 2019-20
Depreciation 16%
Repairs & Maintenance 5%
Transportation Expenses 3%
Staff Payments & Benefits (Establishment Expenses) 30%
Administartive and General Expenses 21%
Academic Expenses 25%